दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 128 ग्वालियर, शनिवार 16 मई 2020 पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया- कोरोना लॉकडाउन में हुई

74 हजार करोड़ रुपए की फसल खरीद

नई दिल्ली। 20 लाख करोड़ के राहत पैकेज के रोडमैप को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज तीसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही हैं। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इस पैकेज के तीसरे हिस्से की बारीकियों के बता रही हैं। वह बता रही हैं कि 20 लाख करोड़ का इस्तेमाल किन-किन क्षेत्रों में किया जाएगा और इन्हें कितनी राशि दी जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम मोदी ने 12 मार्च को आत्मनिर्भर भारत के लिए सप्लाई चेन और डेमोग्राफी की बात की थी। आज कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों पर फोकस रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर आधारित है। आज इनके लिए 11 कदमों का ऐलान किया जाएगा।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान किसानों के लिए कई कदम उठाए गए। एएसपी के रूप में उन्हें 74 हजार 300 करोड़

रुपए खर्च किए गए हैं तो पीएम किसान के जरिए उन्हें 18 हजार 700 करोड़ रुपए दिए गए हैं। पीएम फसल बीमा योजना के तहत 6400 करोड़ रुपए का मुआवाजा दिया गया है। लॉकडाउन के दौरान दूध की डिमांड 20-25 पर्सेंट घट गई थी इसलिए उनका 11 करोड़ लीटर अतिरिक्त दूद की खरीद की गई ह। इस पर 4100 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इससे पहले बुधवार और गुरुवार को उन्होंने एमएसएमई, नौकरी पेशा, टैक्सपेयर्स, किसानों, छोटे व्यापारियों, फेरीवालों और प्रवासी मजदूरों के लिए राहत का ऐलान कर चुकी हैं। कोरोना वायरस संकट को अवसर में बदलने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज का ऐलान करते हुए देश के सामने आत्मनिर्भर भारत के महत्वाकांक्षी मिशन का ऐलान किया था। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार दो दिन पैकेज का ब्योरा देश के सामने रखा है। पहले हिस्से में सीतारमण ने सैलरी वालों को बड़ी राहत का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि टीडीएस और टीसीएस को 25 फीसदी घटाया जाएगा। सभी तरह के रिफंड मे तेजी लाई जाएगी और सभी इनकम टैक्स रिटर्न 30 नवंबर 2020 तक भरा जाएगा।

कोरोना संकट में भोपाल से बीजेपी सांसद प्रज्ञा ठाकुर की गैर-मौजूदगी पर कांग्रेस का हमला

भोपाल। मध्य प्रदेश में भी कोरोना का काफी प्रकोप देखने को मिल रहा है। इस बीच भोपाल से लोकसभा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को कथित तौर पर लापता करार देते हुए मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक पीसी शर्मा ने कहा कि कोरोना महामारी के इतने अहम समय में जब लोगों को उनकी सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है, मैदान से उनका लापता होना अत्यधिक दुर्भाग्यपूर्ण है। पीसी शर्मा ने कहा, यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब कोरोना संकट के दौर में लोगों को खाने, चिकित्सा सहायता और ई-पास आदि के लिए निर्वाचन क्षेत्र में उनकी मदद की जरुरत है तो ऐसे में वह भोपाल से गायब हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल की जनता ने उनको बड़े अंतर से विजयी बनाया और लोगों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं लेकिन वास्तव में यह बेहद दुखद है कि वह इतने अभूतपूर्व संकट की घड़ी में वह कहीं दिखाई नहीं दे रही हैं।

कोविड़-19 की जांच कराने पहुंची जिला प्रशासन की टीम

गालव सीटी स्कैन और ग्लोबल हॉस्पिटल बन्द

ग्वालियर। डबरा निवासी 80 वर्षीय गंगाराम रोहिरा 5 मई को अपना इलाज कराने के लिये ठाठीपुर गांव स्थिग ग्लोबल हॉस्पिटल पहुंचा था लेकिन ग्लोबल के डॉक्टरर्स ने इलाज करने से मना कर दिया ऐसा ग्लोबल के डाक्टर्स का कहना है। इसके बाद वह गालव में सीटी स्केन कराने के लिये गया था इसके बाद उसकी जयारोग्य चित्किसालय में मौत के बाद उसकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसलिये जिला प्रशासन की टीम में इंसीडेंट कमाण्डर शिवानी पांडे, आरआई होतम सिंह यादव और शिवदयाल शर्मा डॉक्टरों की टीम के ग्लोबल हॉस्पिटल, गालव के स्टाफ की कोविड-19 की जांच कराने के पहुंचे हैं। जिला प्रशासन की ओर से इंसीडेंट कमाण्डर शिवानी पांडे, आरआई होतम सिंह यादव, शिवदयाल शर्मा और डॉक्टरों की टीम को गांधी रोड स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल पहुंची जहां पर ग्लोबल स्टाफ के 34 लोगों की जांच करवाई अगर इनकी रिपोर्ट में पॉजिटिव पाये जाते हैं तो हॉस्पिटल को सील कर दिया जायेगा। गौरतलब है कि ग्लोबल हॉस्पिटल पहले से ही बन्द हैं। दोपहर बाद गालव सीटी स्कैन स्टाफ के 15 लोगों की कोविड़-19 जांच की जा रही है। गालव सीटी स्कैन पिछले 3 दिन पूर्व ही सील कर दिया गया था।

क्वारंटाइन में कोरोना योद्धा कैसे रह रहे हैं और व्यवस्था कैसी है?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केन्द्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 के मरीजों का इलाज कर रहे डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के अस्पतालों के निकट ही पृथकवास (क्वारंटाइन) के लिए उठाये गए कदमों के बारे में उसे अवगत कराया जाए। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूति बी आर गवई की पीठ ने इस मामले की वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान केन्द्र को यह निर्देश दिया। पीठ ने केन्द्र की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह इस बारे में जानकारी प्राप्त करके अगले सप्ताह उसे अवगत करायें।

कमरे, बाथरूम साझा करने पड़ रहे–इस मामले में याचिकाकर्ता डा आरूषि जैन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों के रेजिडेन्ट डाक्टरों को सात से 14 दिन की ड्यूटी करने के बाद पृथकवास किया जाना चाहिए। लेकिन इन चिकित्सकों को उन स्थानों पर पृथकवास कराया जा रहा है जहां उन्हें कमरे, बाथरूम साझा करने पड़ रहे हैं जबकि व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें सामाजिक

दूरी बनी रहे।

कोरोना योद्धाओं को सुविधाएं दी जाएं–रोहतगी ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था पृथकवास के मकसद को ही विफल करेगी और कोरोना योद्धा बीमार पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ यह चाहते हैं कि कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ अग्रिम पंक्ति में मौजूद इन स्वास्थ्यकर्मियों को अस्पतालों के नजदीक आवश्यक सुविधायें उपलब्ध करायी जाएं। उन्होंने कहा कि डाक्टरों के लिये भी एक निर्धारित मानक प्रक्रिया का पालन होना चाहिए क्योंकि ये अपने घरों से अस्पताल पहुंचने में अनेक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। आवास सोसायटियों में भी उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार बोली- आवश्यक कदम उठाए गए है–सालिसिटर जनरल ने कहा कि इन डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए केन्द्र ने सभी राज्य सरकारों को पर्याप्त संख्या में होटल और अतिथि गृहों की व्यवस्था करने के लिए निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं लेकिन अगर कहीं कोई विसंगति है तो उसमें सुधार के लिये उसे प्राधिकारियों के संज्ञान में लाया जा सकता है।

कोरोना योद्धाओं को मकान खाली कराना बने गैर जमानती अपराध–मेहता ने कहा कि सरकार इन कोरोना योद्धाओं की संरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है और इस बारे मे निर्देश दिये गये हैं। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों पर किसी भी प्रकार के हमले या उन्हें मकान अथवा आवासीय सोसायटी के फ्लैट खाली करने के लिये कहने को गैर जमानती अपराध बनाया गया है। पीठ ने मेहता से कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा अस्पतालों के निकट ही पृथकवास के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के बारे में दिये गए सुझाव पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ सुझाव विचाराधीन हैं और यह इनमें से एक है।

कोरोना: मास्क नहीं पहनने पर टोका तो मुंबई पुलिस पर धारदार हथियारों से हमला, 3 जवान घायल

मुंबई। कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सहित तमाम एजेंसी लोगों से मास्क पहनने और लगातार हैंडवॉश करने की अपील कर रही है। इसको लेकर हर तरीके से लोगों को जागरूक करने की कोशिश की जा रही है। मध्य मुंबई के एंटप हिल इलाके में कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क नहीं पहनने पर टोकना पुलिस की टीम पर भारी पड़ गया। 15 लोगों के समूह ने धारदार हथियारों से एक पुलिस उपनिरीक्षक और दो कांस्टेबल पर हमला कर घायल कर दिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि घटना गुरुवार दोपहर को कोखरी अगर गरीब नवाज नगर इलाके में हुई जहां पुलिस की एक टीम ने मास्क नहीं पहनने के लिए इन लोगों को रोका। उन्होंने कहा कि उन लोगों ने इस मुद्दे पर पुलिस दल के साथ बहस की और उन पर हमला कर दिया। 15 से अधिक लोगों ने धारदार हथियारों से

एक उपनिरीक्षक सहित तीन पुलिसकर्मियों पर हमला किया। अधिकारी ने बताया कि घटना में तीन पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों पर भादसं की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। आपको बता दें कि कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई में देश के कई हिस्सों से हमारे कोरोना वॉरियर्स (डॉक्टर, पुलिसकर्मी, इत्यादि) पर हमले की शर्मनाक खबरें बीते दिनों में आई हैं। वैश्विक महामारी के इस वक्त में इस तरह की नकारात्मक तस्वीरें कोरोना वॉरियर्स के मनोबल को ठेस पहुंचा सकती हैं।

काम आया अजीत डोभाल का ऑपरेशन

म्यांमार ने भारत को सौंपे 22 पूर्वोत्तर विद्रोही

नई दिल्ली। म्यांमार की सेना ने शुक्रवार दोपहर को 22 पूर्वोत्तर विद्रोहियों के एक समूह को भारत सरकार को सौंप दिया। हिंदुस्तान टाइम्स को मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि मणिपुर और असम के विद्रोहियों को विशेष विमान से वापस लाया गया। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि म्यांमार सरकार के लिए यह एक बड़ा कदम है और दोनों देशों के बीच गहराते संबंधों का एक प्रतिबिंब है। यह विमान असम के गुवाहाटी जाने से पहले मणिपुर की राजधानी इंफाल में रुकेगा। अधिकारी ने कहा कि विद्रोहियों को दोनों राज्यों में स्थानीय पुलिस को सौंप दिया जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल द्वारा संचालित इस ऑपरेशन को लेकर एक वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाकार ने कहा कि यह पहली बार है कि म्यांमार सरकार ने पूर्वोत्तर विद्रोही समूहों के नेताओं को सौंपने के भारत के अनुरोध पर काम किया है। इसे दोनों देशों के बीच बढ़ती हुई खुफिया और रक्षा सहयोग के परिणामस्वरूप ये संभव हो रहा है।
म्यांमार के साथ भारत की 1,600 किलोमीटर की सीमा विद्रोही समूहों के शिविरों का अड्डा बनी हुई है। लेकिन म्यांमार की सेना द्वारा ऑपरेशन करने पर सहमति बनने के बाद पिछले कुछ वर्षों से विद्रोही समूहों पर दबाव बन रहा है। पिछले साल, म्यांमार की सेना ने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा प्रदान की गई पिन-पॉइंटेड इंटेलिजेंस के आधार पर फरवरी और मार्च 2019 के माध्यम से निरंतर अभियान चलाया। म्यांमार की सेना ने पहले चरण में अरुणाचल प्रदेश में विजयनगर के मुख्य भाग में देश के उत्तर में तागा में बहु-समूह के आतंकी शिविरों पर हमला किया, और दूसरे में अरकान, नीलगिरि और हकियत शिविरों को नष्ट कर दिया। इन अभियानों में 22 विद्रोहियों को म्यांमार सेना ने सागिंग क्षेत्र में पकड़ा था। एक राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि उग्रवादियों को सौंपने का म्यांमार का फैसला उन संगठनों के लिए एक बड़ा संदेश है, जिनसे निपटने के लिए नई दिल्ली के साथ नईपीडॉ का तालमेल है। भारतीय अधिकारियों को उम्मीद है कि म्यांमार की कार्रवाई उन समूहों के लिए एक बाधा होगी, जिन्होंने सीमा पार घने जंगलों की कल्पना की थी, जिससे वे कार्रवाई से बच सकते थे।

इंडिगो के सबसे बड़े शेयरधारक राहुल भाटिया खरीदेंगे विमानन कंपनी वर्जिन ऑस्ट्रेलिया?

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस की सबसे बड़ी शेयरधारक इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज ने शुक्रवार को कहा कि उसने वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की बिक्री में भाग लेने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ऑस्ट्रेलियाई विमानन कंपनी द्वारा कोरोना वायरस महामारी के चलते दिवालिया होने की घोषणा के तीन सप्ताह बाद हुआ। अरबपति राहुल भाटिया के स्वामित्व वाली इंटरग्लोब की इंडिगो में 37.87 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि भारत की इस सबसे बड़ी एयरलाइन में राकेश गंगवाल, उनके परिवार के सदस्यों और उनके परिवारिक ट्रस्ट की 36.64 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया 21 अप्रैल को बंद हो गई थी, जिसके चलते 16,000 लोगों की नौकरी खतरे में पड़ गई। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी विमानन कंपनी वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने ऋण संकट के चलते अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए दिवाला प्रक्रिया के तहत संरक्षण मांगा था और इस संबंध में लेखा फर्म डेलॉयट को दिवाला प्रशासक के रूप में नियुक्त किया था।

ट्रेन के बाद अब दिल्ली मेट्रो चलाने की तैयारी

अरविंद केजरीवाल के मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली। कोरोना लॉकडाउन के कारण थम चुकी दिल्ली मेट्रो को फिर से चलाने की तैयारी चल रही है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने आज बताया कि लॉकडाउन के दौरान मेट्रो के जितने भी हमारे ट्रैक और रूट हैं उनपर एक-एक ट्रेन चलाकर हमने देखा, ताकि सिस्टम चलता रहे। जो ट्रेनें नहीं चली हैं, उनकी पूरी जांच की जाएगी और सर्टिफिकेट दिया जाएगा। हालांकि अरविंद केजरीवाल सरकार के मंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली मेट्रो को चलाने का फैसला केंद्र सरकार ही लेगी। कैलाश गहलोत ने बताया कि हर स्टेशन पर थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। नोटों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अगर किसी स्टेशन पर भीड़ होती है तो एंट्री बंद कर दी जाएगी। प्रमुख स्टेशन को ही खोला जाएगा ताकि पूरा मैन पावर लगाकर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जा सके।

दिल्ली सरकार को मिले बस, मेट्रो और बाजार खोलने के प्रस्ताव–दिल्ली सरकार को लॉक डाउन के दौरान मेट्रो और सीमित

संख्या में बसें चलाने का सुझाव मिला है। दिल्ली सरकार के मुताबिक उन्हें इस दौरान दिल्ली के बाजार खोले जाने को लेकर भी कई सुझाव प्राप्त हुए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा, लॉकडाउन 4.0 में दी जाने वाली जरूरी ढील को लेकर दिल्ली की जनता से मिले सुझावों पर विचार के उपरांत प्रस्ताव बना कर दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार को भेज दिया है। उन्होंने कहा, जनता से बहुत सारे सुझाव आए थे। ज्यादातर लोगों ने दो मुख्य बातों पर जोर दिया है। पहला, मास्क है। लोगों ने सुझाव दिया है कि जब भी कोई घर से बाहर निकले, वह मास्क जरूर पहनें और दूसरा, सोशल डिस्टेंसिंग है। जो भी चीजें खोली जाएं, वहां पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन होना चाहिए। सत्येंद्र जैन ने कहा, लोगों ने सुझाव दिया है कि बसें चलाई जाएं, लेकिन पूरी क्षमता में नहीं, बल्कि कुछ बसें चलाई जाएं। इसी तरह, मेट्रो चलाने का सुझाव आया है। इसे भी सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कम क्षमता में चलाने का सुझाव मिला है। मार्केट को लेकर लोगों ने कई सारे सुझाव दिए हैं। लोगों का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से मार्केट बंद है, उसे खोल दिया जाए। कुछ लोगों का कहना है कि अभी 25 या 50 प्रतिशत मार्केट खोली जाए। शॉप को लेकर लोगों का कहना है कि इसे ऑड-ईवन करके खोला जाए।

मोदी सरकार के आर्थिक पैकेज में मछुआरों के लिए 20 हजार करोड़

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मिलेंगे 55 लाख रोजगार

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लगातार तीसरे दिन आर्थिक पैकेज को लेकर घोषणाएं की हैं। केंद्र सरकार की आज की घोषणाएं कृषि, मछ्ली पालन और पशुपालन पर केंद्रित रहीं। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्य पालन के विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना शुरू करेगी। इस कार्यक्रम से 55 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पीएम मत्स्य संपदा योजना के लिए 20 हजार करोड़ रुपए रखे गए हैं। इसके वैल्यू चेन में मौजूद खामियों को दूर किया जाएगा। 11 हजार करोड़ रुपए समुद्री मत्स्य पालन और नौ हजार करोड़ रुपए इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए खर्च किए जाएंगे। इससे अगले पांच साल में मत्स्य उत्पादन 70 लाख टन बढ़ेगा। इससे 55 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा और निर्यात दोगुना होकर 1 लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा।

नेशनल एनिमल डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम–नेशनल एनिमल डिजीजी कंट्रोल प्रोग्राम के तहत मुंह पका-खुर पका

बीमारी से बचाने के लिए जानवरों को वैक्सीन लगाया जाएगा। इस पर 13,343 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना के तहत 53 करोड़ पशुओं को टीका लगाया जाएगा। अभी तक 1.5 करोड़ गाय और भैसों को टीका लगाया गया है। इससे दूध उत्पादन में वृद्धि होगी और उत्पादकों की गुणवत्ता बेहतर होगी। आत्मनिर्भर भारत और कोरोना वायरस लॉकडाउन से प्रभावित अर्थव्यवस्था के लिए पीएम मोदी की ओर से घोषित 20 लाख करोड़ के पैकेज के तीसरे हिस्से का आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ऐलान कीं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम मोदी ने 12 मार्च को आत्मनिर्भर भारत के लिए सप्लाई चेन और डेमोग्राफी की बात की थी। इससे पहले बुधवार और गुरुवार को उन्होंने एमएसएमई, नौकरी पेशा, टैक्सपेयर्स, किसानों, छोटे व्यापारियों, फेरीवालों और प्रवासी मजदूरों के लिए राहत का ऐलान कर चुकी हैं। कोरोना वायरस संकट को अवसर में बदलने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज का ऐलान करते हुए देश के सामने आत्मनिर्भर भारत के महत्वाकांक्षी मिशन का ऐलान किया था। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार दो दिन पैकेज का ब्योरा देश के सामने रखा है।

सिर्फ 1100 सवालों को ही विधानसभा के रिकॉर्ड में रखा जाएगा

कमलनाथ सरकार में पूछे गए चार हजार सवाल लेप्स

- अनुमोदित कराने मानसून सत्र के पहले दिन की पटल पर रखेंगे
- भाजपा विधायकों ने 5315 सवालों के माध्यम से मांगे थे जवाब
- ऐसी परिस्थितियां विधानसभा के इतिहास में पहले कभी नहीं बनीं

भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा में सत्र के बीच सत्ता परिवर्तन हो जाने से विधायकों द्वारा लगाए गए करीब 4200 प्रश्न लेप्स हो जाएंगे। आगामी सत्र में कमल नाथ सरकार की अवधि तक के लगभग 1100 सवालों को ही विधानसभा के रिकॉर्ड में रखा जाएगा। इन्हें सदन से अनुमोदित कराने के लिए मानसून सत्र के पहले दिन की बैठक में पटल पर रखा जाएगा। विधानसभा का बजट सत्र 16 मार्च से 13 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। मगर सत्र शुरू होने के बाद परिस्थितियां ऐसी बनीं कि 20 मार्च को मुख्यमंत्री कमल नाथ को इस्तीफा देना पड़ा। वहीं राज्य विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कहना है कि सत्र शुरू होने पर जो सरकार थी, उसके इस्तीफा देने तक यानी 20 मार्च तक के सवालों को बजट सत्र में मान्य किया जाएगा शेष सभी सवाल लैप्स हो जाएंगे।

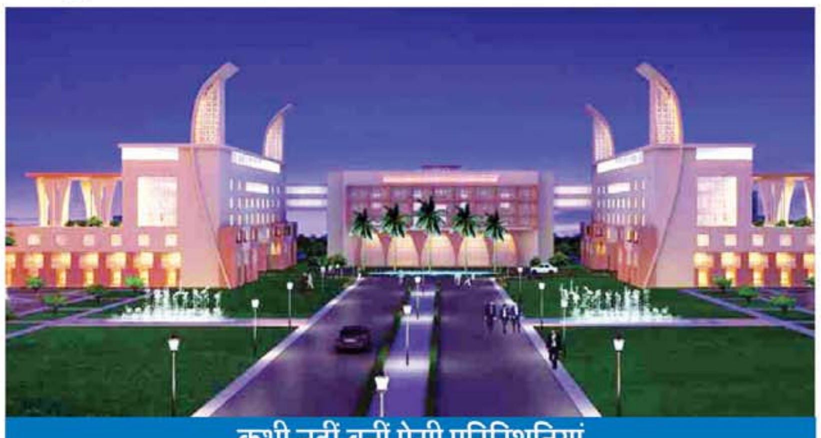

कभी नहीं बनीं ऐसी परिस्थितियां

गौरतलब है क बजट सत्र के लिए विधायकों ने 5315 सवालों के माध्यम से प्रदेश व अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं, योजनाओं के कार्यों आदि के बारे सरकार से जवाब मांगे थे। बदली स्थितियों में 16 विधायकों के सत्र के पहले ही इस्तीफा दे देने और 20 मार्च के बाद सवाल करने वाले विधायकों में से कुछ लोगों के मंत्री बन जाने की वजह से विधानसभा सचिवालय के अधिकारी पसोपेश में थे, क्योंकि इस तरह की परिस्थितियां मप्र विधानसभा के इतिहास में पहले कभी नहीं बनी थीं। विधानसभा सचिवालय ने इसे लेकर देश की कुछ विधानसभाओं और संसदीय विशेषज्ञों से चर्चा की।

बचे सवालों को मानसून सत्र में अनुमोदन

बताया जाता है कि नियम-परंपराओं का अध्ययन करने के बाद विधानसभा के अधिकारियों ने कमल नाथ सरकार के कार्यकाल तक चलीं सदन की बैठकों के आधार पर कार्यवाही का फैसला लिया जा रहा है। इसके मुताबिक 20 मार्च को कमल नाथ के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तक विधानसभा सत्र में जितने भी प्रश्न आए, वे ही मान्य होंगे। इसी तरह ध्यानाकर्षण और शून्यकाल की सूचनाएं भी लैप्स हो जाएंगी। यानी 20 मार्च तक विधानसभा में विधायकों द्वारा पूछे गए करीब 1100 सवाल मान्य हो जाएंगे, जिनका मानसून सत्र में अनुमोदन लिया जाएगा।

विशेषज्ञों से चर्चा के बाद लिया फैसला

विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कहना है कि इसे लेकर हमने देश की कुछ विधानसभाओं और संसदीय विशेषज्ञों से चर्चा की है। नियम-परंपराओं का अध्ययन करने के बाद विधानसभा के अधिकारियों ने कमल नाथ सरकार के कार्यकाल तक चलीं सदन की बैठकों के आधार पर कार्यवाही का फैसला लिया जा रहा है। इसके मुताबिक 20 मार्च को कमल नाथ के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तक विधानसभा सत्र में जितने भी प्रश्न आए, वे ही मान्य होंगे। इसी तरह ध्यानाकर्षण और शून्यकाल की सूचनाएं भी लैप्स हो जाएंगी। यानी 20 मार्च तक विधानसभा में विधायकों द्वारा पूछे गए करीब 1100 सवाल मान्य हो जाएंगे, जिनका मानसून सत्र में अनुमोदन लिया जाएगा।

सत्ता का सुख भोगने वाले सरकार सुविधाएं छोड़ने को नहीं राजी

- विस सचिवालय ने माननीयों को थमाया नोटिस

इधर, जनता जिन जनप्रतिनिधियों को अपना मत देकर कानून बनाने और उसका पालन कराने का अधिकार देती है, वे ही अगर अपने द्वारा बनाए गए नियमों और कानून का पालन न करें, तो उस प्रदेश का भगवान ही मालिक है। ऐसा ही कुछ हाल मप्र का है। इसकी वजह है सत्ता सुख भोगने वाले वह नेता सरकार से मिलने वाली सुविधाएं छोड़ने के लिए राजी नहीं हैं। इनमें पूर्व मंत्री, पूर्व विधायकों सहित पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष तक शामिल हैं। यह नेता अपनी कुर्सी गंवाने के बाद अब सिर्फ विधायक रह गए हैं, लेकिन अब भी पूर्व में मिली सुविधाओं को लौटाने को तैयार नहीं है। पहले इन माननीयों को कहा गया कि वे अपनी सुविधाएं वापस कर दें, लेकिन इसके बाद भी नहीं लौटाई तो अब विधानसभा सचिवालय को इसके लिए उन्हें नोटिस जारी करना पड़ा है। गौरतलब है कि प्रोटोकॉल के तहत विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को विधानसभा सचिवालय से उन्हें कार, ऑफिस के लिए फर्नीचर सहित तमाम सरकारी सुविधाएं दी जाती हैं। कुर्सी जाने के बाद इन नेताओं ने वाहन लौटा दिया है। सचिवालय से मिला स्टाफ भी लौट आया है, लेकिन कम्प्यूटर, टेलीफोन, फोटोकॉपी मशीन, ऑफिस के लिए दिया गया फर्नीचर सहित दूसरी सामग्री अब तक वापस नहीं की गई है। यही वजह है कि विधानसभा सचिवालय को पहले मौखिक के बाद अब लिखित रूप से नोटिस जारी कर सामग्री मांगनी पड़ी है। ऐसे में वे आमजन के सामने कैसा उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं समझा जा सकता है।

नाथ ने भी नहीं छोड़ा सीएम हाउस

पूर्व से दूसरा बंगला आंवटित होने के बाद भी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अभी भी मुख्यमंत्री निवास को खाली नहीं किया है। हालांकि, पद छोड़ने के बाद भी वे छह माह तक सीएम हाउस में रह सकते हैं। इसी तरह से इस्तीफा देने वाले 22 विधायक भी पूर्व से आंवटित आवासों में ही रह रहे हैं। इनमें से दो पूर्व कांग्रेसी विधायक भाजपा सरकार में मंत्री बन चुके हैं, जबकि चार पूर्व मंत्री अब न तो विधायक हैं और न ही मंत्री, लेकिन अब भी वे सरकारी बंगलों को ही अपना ठिकाना बनाए हुए हैं। यही हाल कुछ अन्य इस्तीफा देने वाले पूर्व विधायकों का है। अब माना जा रहा है कि लॉकडाउन के बाद सचिवालय इन पर कार्रवाई करेगा।

तेंदूपत्ता तुड़ाई का काम 25 अप्रैल से और संग्रहण चार मई से प्रारंभ

- तेंदूपत्ता के 13.22 लाख मानक बोरे का 526.52 करोड़ विक्रय मूल्य पर निवर्तन

भोपाल

राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा संग्रहण वर्ष 2020 में तेन्दूपत्ते के 937 लाटों के अग्रिम निवर्तन के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। अग्रिम निवर्तन में 689 लाटों का 13 लाख 22 हजार मानक बोरे का 526 करोड़ 52 लाख रुपए के विक्रय मूल्य पर निवर्तन किया जा चुका है। शेष 248 लाटों में विभागीय संग्रहण कराने के निर्देश क्षेत्रीय कार्यालयों को दिए गए हैं। प्रदेश में वर्ष 2004 से तेंदूपत्ता व्यापार की नई नीति का निर्धारण कर क्षेत्रवार निविदाएं बुलाई जाकर पत्ते का अग्रिम निवर्तन किया जाता है। प्रदेश में तेन्दूपत्ता तुड़ाई का काम 25 अप्रैल से और संग्रहण 4 मई से प्रारंभ हो चुका है। लगभग 33 लाख 12 हजार तेन्दूपत्ता संग्राहकों द्वारा अच्छी गुणवत्ता का बीड़ी बनाने योग्य तेन्दूपत्ता संग्रहित किया जा रहा है। संग्राहकों को उनके द्वारा संग्रहित किए गए तेंदूपत्ते का 2500 रुपए प्रति मानक बोरे की दर से संग्रहण पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा।

सुरक्षा के दायरे में हो रहा भंडारण

गौरतलब है कि इस वर्ष वनोपज संग्रहण, परिवहन और भंडारण कोविड-19 के सुरक्षा दायरे में हो रहा है। राज्य शासन ने कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के मद्देनजर लघु वनोपज संग्रहण, प्र-संस्करण, उपचारण, परिवहन, भण्डारण और विपणन कार्यों में संलग्न श्रमिकों और ग्रामीणों को संक्रमण से बचाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किए। तेन्दूपत्ता क्रेताओं, प्रतिनिधियों के लिए फोटो परिचय-पत्र जारी किए गए। लघु वनोपज संग्रहण कार्यों में संलग्न कर्मचारी, क्रेता, प्रतिनिधि, श्रमिक और ग्रामीणों को अनिवार्य रूप से मास्क/फेस कवर, गमछा, रुमाल आदि से ढककर रखने के निर्देश दिए गए। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी स्वास्थ्य संबंधी आदेशों का पालन सुनिश्चित किया गया। प्रत्येक केन्द्र, गोदाम पर सेनिटाइजर और साबुन रखे गए हैं। संग्रहण केन्द्रों पर 2-2 मीटर की दूरी पर चूने का घेरा बनाया गया है।

अमेरिका की अपील, 6 साल की उम्र से कैद बौद्ध धर्म के 11वें पंचेन लामा को रिहा करे चीन

नई दिल्ली। अमेरिका ने चीन से अपील की है कि वह तिब्बती बौद्ध धर्म गुरु 11वें पंचेन लामा को रिहा करे। पंचेन लामा जब छह साल के थे, तभी चीनी प्राधिकारियों ने उन्हें कैद कर लिया था। तिब्बत के गेझुन चोएक्यी न्यीमा को 1995 में 11वां पंचेन लामा घोषित किया गया था। तिब्बत में दलाई लामा के बाद पंचेन लामा बौद्ध धर्म से जुड़ा दूसरा सबसे बड़ा आध्यात्मिक पद है। इस घोषणा के कुछ दिन बाद ही न्यीमा लापता हो गए थे और वह दुनिया के सबसे कम उम्र के राजनीतिक कैदी बन गए थे। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिका के विशेष दूत सैम ब्रॉउनबैक ने बृहस्पतिवार को एक सम्मलेन के दौरान संवाददाताओं से कहा, वह कहां हैं, इसके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है। और हम पंचेन लामा को रिहा करने का दबाव चीनी प्राधिकारियों पर डालते रहेंगे। दुनिया को बताया जाए कि वह कहां हैं। ब्राउनबैक ने एक सवाल के जवाब में कहा कि चीन अगला दलाई लामा नियुक्त करने के अधिकार में बारे में लगातार बात करता रहता है, जबकि उसे ऐसा करने का अधिकार नहीं है। इसी बीच, अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर काम करने वाले अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने विदेश मंत्रालय से पुन: मांग की है कि वह तिब्बती मामले के विशेष समन्वयक के पद पर भर्ती करे।

कोरोना वायरस: भाजपा किसान मोर्चा ने किसानों को गमछा

सैनिटाइजर बांट कर किया जागरूक

चंदेरी। भाजपा किसान चंदेरी मोर्चा द्वारा राष्ट्रव्यापी सेल्फी वित्त गमछा कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय स्तर पर किया गया। यह कार्यक्रम गेहूं उपार्जन केन्द्र हिराबल नवीन गल्ला मंडी चंदेरी एवं पुरानी गल्ला मंडी चंदेरी मैं आयोजित किया गया जिसमें किसान को गमछा, सैनिटाइजर, त्रिकुट ,चूर्ण आदि भेंट कर कोरोना वायरस के बचाव के बारे में जानकारी दी गई कार्यक्रम में उपस्थित किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व मंडी अध्यक्ष एवं पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश मिश्रा द्वारा कोरोना महामारी की भयानकता के बारे में बतलाया गया इस कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष नगर

एवं ग्रामीण आलोक तिवारी द्वारा भारत सरकार द्वारा कोरोना महामारी से बचाव एवं आम जनता के हित में शासन द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बतलाया गया किसान मोर्चा चंदेरी के मंडल अध्यक्ष डॉ राम मनोहर पाराशर एवं ग्रामीण भाजपा मंडल केदार लोधी द्वारा ग्रामीण स्तर पर जागरूकता फैलाने का आवाहन किया गया इस अवसर पर पूर्व जिला महामंत्री घनश्याम सिंह वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष चंद्रशेखर, संतोष कटोरिया, नीलेश दुबे, दीपक शर्मा, सुखनंदन लोधी, राघवेंद्र यादव, साकूलाल रैकवार, नितेश रजक, सोनू लोधी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मौसम के बदले तेवर, तेज आंधी के साथ हुई बारिश

चंदेरी। चंदेरी में दोपहर तक तो मौसम एकदम साफ था 3:00 बजे के बाद अचानक मौसम में बदलाव आया और तेज आंधी तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई जो लगातार 1 घंटे तक तेजी से होती रही तेज बारिश के कारण दिल्ली दरवाजा चौराहे पर घुटनों घुटनों तक पानी बहने लगा वहीं लाल बावड़ी के टेक पर मुंगावली चंदेरी रोड पर खिन्नी का पेड़ गिर जाने से रास्ता अवरुद्ध हो गया साथ ही बिजली के तार और खंभे भी गिर गए जिसके कारण एक घंटा रास्ता जाम रहा नगरपालिका के जल प्रभारी आलोक सिंह गौर द्वारा कर्मचारियों की मदद से पेड़ को अलग करवाया गया तब जाकर मार्ग खुल सका भाई बिजली के तार बा खंबे गिर जाने से विद्युत सप्लाई प्रभावित हुई जोकि तीन 4 घंटे बाद मरम्मत के बाद चालू हो पाई।

वैज्ञानिकों ने बनाया एक सेकेंड में 70 खरब फोटो फ्रेम वाला दुनिया का सबसे तेज कैमरा

कैलिफोर्निया। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि उन्होंने एक ऐसा कैमरा बनाया है जो 70 खरब फ्रेम प्रति सेकेंड बना सकता है। इस कैमरे का इस्तेमाल परमाणु संलयन, रेडियोधर्मी अणु क्षय या खगोलीय घटनाओं को पकड़ने के लिए किया जा सकता है। कॉम्प्रेस्ड अल्ट्राफास्ट स्पेक्ट्रल फोटोग्राफी डिवाइस नामक यह कैमरा बहुत सूक्ष्म लेजर कंपन का उत्सर्जन करता है, जो प्रकाश तरंगों में बदलाव को कैप्चर कर सकता है। पलक झपकने के समय में कर देता है काम- पलक झपकाने के समय में सीयूएसपी 70 खरब फ्रेम बना सकता है। इसके साथ शोधकर्ताओं ने अपना ही 10 खरब फ्रेम प्रति सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मंथनः आत्मचिंतन से आत्मनिर्भरता की ओर का जो सूत्र आज चेम्बर ने दिया है, इसकी सारी दुनिया को वर्तमान में जरूरत हैः सांसद विवेक नारायण शेजवलकर

चेम्बर में मंथन कार्यक्रम का शुभारंभ, मोबाइल एप ' 'माध्यम' ' का हुआ लोकार्पण

ग्वालियर। कोविड-19 के कारण जारी गत दो माह के लॉकडाउन से व्यापार-उद्योग जगत को उबारने के लिए चेम्बर द्वारा ''मंथन-आत्मचिंतन से आत्मनिर्भरता की ओर'' कार्यक्रम प्रारंभ किया है, जिसका आज विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि-सांसद श्री विवेकनारायण शेजवलकर, विशिष्ट अतिथि-पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल के सानिध्य में सम्पन्न हुआ7 इस अवसर पर अतिथियों द्वारा चेम्बर द्वारा तैयार कराये गये मोबाइल एप ''माध्यम'' का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों को इम्यूनिटि बढाने वाले पौधे तुलसी के गमले देकर स्वागत किया गया- इस अवसर पर चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि गत दो माह से कोविड-19 के कारण व्यापारी लॉकडाउन को सह रहे हैं। इस स्थिति से उबरने के लिए चेम्बर ने मंथन कार्यक्रम की शुरूआत की है। अब हमें कोरोना का रोना बंद करके कार्य करना पड़ेगा। आपने कहा कि चेम्बर ने इस महामारी के बीच अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए 5000 खाद्य पैकेटों का वितरण जिला प्रशासन के माध्यम से कराया। सदस्यों को अपडेट करने के लिए गत ई-अर्थवार्ता का प्रकाशन किया7 सभी पदाधिकारी निरंतर प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से उद्योग-व्यापार जगत के लिए कार्य करते रहे7 शहरवासियों को घर बैठे सामान मिले इसके लिए हमने मोबाइल एप 'माध्यम'' डेवलप कराया है7 इस पर व्यापारी एवं उपभोक्ता एक दूसरे को रजिस्टर्ड कर सामान विक्रय और क्रय कर सकते हैं, यह बिल्कुल निःशुल्क उपलब्ध है और इसे प्ले स्टोर से डाउनलोन किया जा सकता है7 चेम्बर ने 17 मई के पश?चात् जारी की जाने वाली गाइडलाइन के लिए माननीय प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं ग्वालियर के जनप्रतिनिधियों को सुझाव भेजे हैं ताकि व्यापार-उद्योग जगत की राह आसान हो सके7 मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि अब हमें कोरोना के साथ ही जीना सीखना होगा7 कारोबार को अब लंबे समय तक बंद करके नहीं रखा जा सकता है यदि आगे और ऐसा किया गया तो उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं हो पायेगी7 आपने बताया कि हमें जिला प्रशासन को प्रस्ताव दिया है कि कोरोना को रोकने के लिए बाहर से आने वाले लोगों को 100त्न इंस्टीट्यूशनल क्वारेंटाइन कराया जाये इसलिए होटल संचालकों ने जो प्रस्ताव दिया है, उससे हमने जिला प्रशासन को अवगत कराया दिया है7 ताकि बाहर से आने वाले लोगों के कारण शहर में कोरोना का प्रचार-प्रसार न हो7 आपने कहा कि भारतवर्ष का पहला ऐसा व्यवसायिक/औद्योगिक संगठन चेम्बर होगा जिसने व्यापार के लिए मोबाइल एप बनाकर लोगों को सुविधा देने का प्रयास किया है7 यह एप बहुत शीघ्रता से बनाया गया है, ऐसे में जो आवश्यक सुधार उपयोगकर्ताओं द्वारा बतायें जायेंगे, उन्हें शीघ्र ही अपडेट कराया जायेगा7 इसके लिए इसे डेवलप करने वाली एपटेक कंपनी के संचालक-श्री अर्चित अग्रवाल व हमारे श्री निकुंज बंसल जी 24 घंटे, 7 दिवस कार्य करेंगे7 मंथन कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम स्थानीय स्तर की समस्याओं का संकलन कर, उनका समाधान कराया जायेगा7 फिर राज्य/केन्द्र सरकार स्तर की समस्याओं का संकलन कर, उनके समाधान का प्रयास किया जायेगा7 संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यापारी को उपभोक्ता से जुड़ने का मोबाइल एप एक अच्छा अवसर है7 इससे नये तरह के व्यापार की शुरूआत होगी7 कोरोना महमारी के लिए हम सब संकल्प लें ताकि हम जल्दी इस कोरोना के संकट को दूर कर सकें7 उपाध्यक्ष-पारस जैन ने कहा कि बाजार में रूपये का फ्लो बढाने के लिए आवश्यक है सीमित 100 व्यक्ति की संख्या में विवाह समारोह की अनुमति दी जाये ताकि इससे बाजार के सभी सेक्टरों में व्यापार बढ सके7 मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल ने कहा कि चेम्बर का मोबाइल एप माध्यम नया आयाम स्थापित करेगा7 आपने कहा कि आज इण्डस्ट्री के लिए मजदूरी के पलायन से जो वैक्यूम आया है, उसे जल्द दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए क्योंकि जो लेबर चली गई है यदि वह वापिस नहीं आयेगी तो काम नहीं चल पायेगा7 इसके लिए सरकार व जनप्रतिनिधियों को शीघ्र प्रयास करने चाहिए7 कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने कहा कि हम कोरोना पर निश?चित ही जल्दी विजय प्राप्त करेंगे, ऐसा मेरा मानना है, ग्वालियर के उद्योग-व्यापार के उत्थान के लिए हम सकारात्मक रूप से कार्य करते रहेंगे7 आपने मुख्य अतिथि सांसद श्री विवेक शेजवलकर से आग्रह किया कि अभी चूंकि रेलों का संचालन नहीं हो रहा है तो रेलवे के जो ब्रिज आदि के निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं उन पर कार्य किया जाना चाहिए7 साथ ही, कुलियों आदि को भी मनरेगा के तहत कार्य दिया जाना चाहिए7 साथ ही, रेलवे द्वारा जो ट्रेनें चलाई जा रही हैं, उनका स्टॉपेज ग्वालियर में दिया जाना चाहिए7 इस अवर पर चेम्बर पदाधिकारियों द्वारा माननीय प्रधानमंत्री को भेजे गये सुझावों की प्रति अतिथियों को सौंपी गई व चेम्बर के मोबाइल एप व मंथन कार्यक्रम का पेम्पलेट के माध्यम से लोकापर्ण अतिथियों व पदाधिकारियों द्वारा किया गया7 पूर्व विधायक-श्री मुन्नालाल गोयल ने कहा कि चेम्बर ने संवाद की शुरूआत की है, संवाद से ही रास्ते निकलते है और जब हम चिंतन करेंगे तो रास्ता निश?चित ही निकलेगा7 55 दिनों के लॉकडाउन से व्यापारी, उद्योगपति, दिहाड़ी मजदूर, कर्मचारी संभी संकट में है7 इससे ग्वालियर के कारोबार को 100 करोड़ तथा शासन को भी 100 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है7 कोरोना कब तक चलेगा यह कोई नही कह सकता है7 लॉकडाउन की भी एक लक्ष्मण रेखा है, उससे ज्यादा चलाया तो बड़ा संकट होगा7 इससे निपटने का रास्ता हम सबको निकालना है7 आपने चेम्बर के सुझावों पर कहा कि तीनों शहरों के बाजारों का पट्टीवाइज खोलने का विचार चेम्बर का अच्छा है, परंतु व्यापारियों को सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखना होगा7 पूर्व केबिनेट मंत्री, मध्य प्रदेश शासन श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि चेम्बर ने जो स्वयं की कोशिश करके खड़े होने का प्रयास किया है, वह सराहनीय है क्योंकि हम कब तक वैसाखियों पर चलेंगे7 शासन/जिला प्रशासन अपने स्तर पर कार्य कर रहा है7 हम सभी यदि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढेंगे तो निश?चित ही हम इससे उबर जायेंगे7 आपने चेताया कि हम प्रकृति के दोहन के बारे में सोचना होगा क्योंकि प्रकृति के साथ जैसा हमने किया वैसा ही उसने हमें जबाव दिया है7 हमें आधुनिक जीवन शैली की भागमभाग को छोड़कर अपने पुराने संस्कारों की ओर लौटन होगा7 आपने उदाहरण देकर बताया कि पहले हम घर में हाथ-पैर धोकर प्रवेश करते थे, आज हमें कोरोना के डर से यह सीखना पड़ रहा है7 हमें इस पर निश?चित ही चिंतन की आश्यकता है7 चेम्बर ने मंथन कार्यक्रम के माध्यम से व्यापारियों के हौसले को बढाने का काम किया है, वह सराहनीय है7 मुख्य अतिथि-सांसद श्री विवेकनारायण शेजवलकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि चेम्बर का सूत्र मंथन - आत्मचिंतन से आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा प्रसांगिक है क्योंकि सारी दुनिया आज कोरोना के चलते आत्मचिंतन की अवस्था में और वह भी आत्मचिंतन के बाद आत्मनिर्भरता की बात सोच रहे हैं7 दुनिया में कोरोना से लाखों लोग संक्रमित हैं पर हम थोड़ा सुखद स्थिति में है क्योंकि माननीय प्रधानमंत्री ने जो जनता से अपेक्षा की थी उसमें जनता ने पूर्ण सहयोग किया है वहीं माननीय प्रधानमंत्री ने भी जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है7 इस संकट से मुकाबला केवल भारत ही कर सकता है7 इस संकट से मुकाबले के लिए लोगों में सकारात्मक भाव जगाने की आवश्यकता है7 सकारात्मकता बढाने व निराशा को दूर करने के लिए जनजागरण की आवश्यकता है7 जब हम इस महामारी से लड़ने की बात करते है तो यही ध्येय होता है कि नुकसान कम से कम हो7 इसके लिए केन्द्र सरकार ने कदम उठाया है और एमएसएमई के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा की है7 माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने कहाकि अगला लॉकडाउन नये रंगरूप में होगा चेम्बर ने भी इसके लिए सुझाव दिये हैं7 मेरा भी प्रयास होगा कि यह सुझाव केन्द्र सरकार तक पहुंचाऊं7 चेम्बर ने डिजिटल प्लेटफार्म का जो उपयोग किया है, वह सराहनीय है। मंथन कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष-डॉ. वीरेन्द्र कुमार गंगवाल, पूर्व संयुक्त अध्यक्ष- यश कुमार गोयल, पूर्व कोषाध्यक्षद्वय-रामनिवास अग्रवाल, कैलाश लहारिया, गोकुल बंसल, पूर्व मानसेवी संयुक्त सचिवद्वय-पीताम्बर लोकवानी, जगदीश मित्तल, ललित गुप्ता आदि उपस्थित थे। मंथन कार्यक्रम का संचालन-मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा तथा आभार उपाध्यक्ष-पारस जैन द्वारा व्यक्त किया गया।

फाइनल होगा पब्लिक ट्रांसपोर्ट चलाने का खाका, 17 से 20 यात्रियों में सोशल डिस्टेंसिंग का होगा पालन

बस में मास्क लगाए बिना चढ़ने की नहीं होगी अनुमति, 50 दिन के लॉकडाउन के बाद बस ऑपरेशन की छूट मिलने पर तैयारी का आंकलन किया था

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लॉकडाउन 3.0 खत्म होने के बाद 18 मई से लॉकडाउन 4.0 में सबको उम्मीद है कि काफी सारी छूट मिलने के बाद बेशक नई शर्त लगे लेकिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट चलाया जा सकता है। ऐसे में दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन और दिल्ली सरकार ने क्लस्टर और डीटीसी बस चलाने के लिए नियम-कायदे के हिसाब से तैयारी शुरू कर दी है। जहां डीएमआरसी ने सोशल डिस्टेंसिंग के लिए एक सीट छोड़कर दूसरी सीट पर बैठना प्रतिबंधित का स्टीकर लगाना शुरू करके अंदरुनी तैयारी शुरू कर दी है। वहीं दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने परिवहन विभाग, डीटीसी और क्लस्टर सर्विस ऑपरेशन के अधिकारियों की बैठक करके शुक्रवार 15 मई तक फाइनल प्लान पेश करने का टास्क अधिकारियों को दे दिया है। उस प्लान के बाद कोई फाइनल आदेश जारी किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को परिवहन आयुक्त ने 50 दिन के लॉकडाउन के बाद बस ऑपरेशन की छूट मिलने पर तैयारी का आंकलन किया था। बुधवार को परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से उस तैयारी पर चर्चा की। डिम्ट्स ने एक प्रस्ताव तैयार किया है जिस पर चर्चा हुई। बैठक में ये सामने आया कि डीटीसी और डिम्ट्स क्लस्टर की बसों का प्रोटोकॉल एक जैसा ही होगा।

उद्धव ठाकरे समेत सभी 9 उम्मीदवार विधान परिषद के लिए निर्विरोध निर्वाचित, चुनाव आयोग जल्द कर सकता है ऐलान

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे समेत सभी 9 उम्मीदवार विधान परिषद सदस्य के तौर पर निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। चुनाव आयोग जल्द ही इस बारे में आधिकारिक ऐलान कर सकता है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने चुनाव आयोग के अधिकारी के हवाले से बताया कि उद्धव समेत सभी प्रत्याशियों को चुन लिया गया है। दरअसल, महाराष्ट्र में विधान परिषद की 9 सीटें खाली हुई थी। इसमें नाम वापसी के बाद गुरुवार को मैदान में 9 प्रत्याशी ही थे। ऐसे में बिना चुनाव हुए ही सभी निर्वाचित हो गए। इससे पहले आयोग ने 21 मई को चुनाव की तारीख तय की थी। विधान परिषद के लिए निर्विरोध निर्वाचन में कांग्रेस की अहम भूमिका रही है। क्योंकि, कांग्रेस ने पहले दो प्रत्याशी उतारने की बात कही थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस ने एक ही प्रत्याशी मैदान में उतारा। ऐसे में चुनाव की जरूरत नहीं पड़ी। विधान परिषद की 9 सीटों के लिए कांग्रेस ने 1, भाजपा ने 4, राकांपा ने 2, शिवसेना ने 2 प्रत्याशी उतारे थे। शिवसेना की तरफ से सीएम उद्धव ठाकरे भी विधान परिषद चुनाव मैदान में थे। वह भी चुने गए हैं। इससे पहले बुधवार को 4 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया था। वहीं, एक निर्दलीय उम्मीदवार शहबाज राठौर का नामांकन रद्द हो गया था। इसके बाद मैदान में सिर्फ 9 उम्मीदवार ही बचे थे।

पहली बार सुको जजों ने बिना गाउन-कोट पहने की सुनवाई

दिल्ली। कोरोना महामारी ने न्यायपालिका को भी कामकाज के तरीके के साथ ड्रेस कोड बदलने पर मजबूर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में बुधवार को उस समय नया अध्याय जुड़ गया, जब पहली बार जजों ने बिना जैकेट, कोट और गाउन पहने सुनवाई की। चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने कहा कि कोरोना संकट बने रहने तक के लिए नए ड्रेस कोड का आदेश जारी करेंगे। देर शाम वकीलों और जजों के लिए नया ड्रेस कोड जारी कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वॉट्सएप पेमेंट सर्विस को पूरी तरह बंद करने के मामले को लेकर एक याचिका पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई चल रही थी। चीफ जस्टिस बोबडे और साथी जज जस्टिस ऋषिकेश राय जैकेट, कोट व गाउन के बिना केवल सफेद कमीज और गले का बैंड पहने हुए थे। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने उनसे पूछ लिया कि पीठ ने गाउन क्यों नहीं पहना है? इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि उन्होंने कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर चिकित्सकों की राय मांगी थी। उनके मुताबिक, भारी और फैलाव वाले कपड़ों से यह वायरस आसानी से फैलता है। इस पर विचार करते हुए हम केवल सफेद कमीज और बैंड पहन कर ही सुनवाई कर रहे हैं। हम वकीलों के लिए भी इस संदर्भ में विचार कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों का दाव — माउंट सिनाई के इकॉन स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकताओं ने 1343 मरीजों की स्टडी रिपोर्ट में किया खुलासा

कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों में एंटीबॉडी बनती है यह बात गलत कि सिर्फ गंभीर मरीजों में ही ऐसा होता है

न्यूयॉर्क ■ एजेंसी

कोरोना महामारी से बचाव का अभी तक जो सबसे ठोस विकल्प दुनिया के सामने आया है, वह प्लाजमा ट्रीटमेंट है। यदि किसी व्यक्ति को एक बार कोरोना हो जाता है और वह इलाज के बाद ठीक हो जाता है, तो उसके रक्त में एंटीबॉडीज (प्रतिरक्षा प्रणाली) विकसित हो जाती है। ऐसे व्यक्ति के ब्लड से प्लाज्मा निकालकर यदि दूसरे कोरोना पेशेंट को दिया जाता है, तो उसके ठीक होने की उम्मीद बनी रहती है।

हालांकि, वैज्ञानिक अभी यही मान रहे हैं कि प्लाजमा ट्रीटमेंट के लिए केवल वही मरीज उपयुक्त हैं, जो गंभीर रूप से कोरोना संक्रमित हुए हों, क्योंकि हल्के लक्षण और प्रारंभिक लक्षण वाले मरीजों के रक्त में एंटीबॉडी का निर्माण नहीं होता। लेकिन न्यूयॉर्क स्थित माउंट सिनाई के इकॉन स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने 1343 कोरोना संक्रमित मरीजों के अध्ययन में पाया कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। सिर्फ गंभीर रूप से संक्रमित ही नहीं, हल्के लक्षण और प्रारंभिक लक्षण वाले मरीजों में भी एंटीबॉडी का निर्माण होता है। इसलिए प्लाजमा ट्रीटमेंट के लिए इन लोगों के रक्त भी लिए जा सकते हैं। इस स्टडी रिपोर्ट को सबमिट करने वाली वायरोलॉजिस्ट फ्लोरियन क्रेमर कहती हैं कि यह अंधकार में उम्मीद की एक किरण की तरह है, क्योंकि कोरोना वैक्सीन कब तक विकसित होगी, इसका किसी के पास कोई जवाब नहीं है। तब तक प्लाज्मा ट्रीटमेंट से कोरोना संक्रमित मरीजों को ठीक किया जा सकता है। इस विधि में उन लोगों का बड़ा योगदान होगा, जिनके शरीर में एंटीबॉडी का विकास हुआ है।

जो संक्रमण से उबर चुके, वे काम पर लौट सकते हैं

- न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में वायरोलॉजिस्ट एंजेला रॉस्मुसेन कहती हैं कि अभी तक दुनिया के चिकित्सकों में यह अवधारणा बनी हुई थी कि कोरोना संक्रमित मरीजों में एंटीबॉडी का विकास उम्र, लिंग और संक्रमण की गंभीरता के स्तर पर निर्भर करता है, लेकिन इस रिपोर्ट ने साबित कर दिया है कि ऐसा नहीं है।
- वास्तव में अधिकांश संक्रमित लोगों में एंटीबॉडी विकसित होती है। एंटीबॉडी और वायरस को बेअसर करने की उनकी क्षमता के बीच बहुत अच्छा संबंध होता है। क्योंकि एंटीबॉडी ही कोरोनावायरस के पैथोजिंस (संक्रमण फैलाने में मुख्य भूमिका निभाने वाला एजेंट) को नष्ट करने में सक्षम होते हैं।
- अध्ययन में यह भी कहा गया है कि जो कोई भी संक्रमण से उबर चुका है, वह सुरक्षित रूप से काम पर लौट सकता है। हालांकि इसमें यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसे लोग कितने दिन तक स्वस्थ रहेंगे। या इनके दोबारा संक्रमित होने की संभावना बनी रहती है या नहीं।

कोरोना वायरस की वजह से जापान में सूमो पहलवान की मौत, 10 अप्रैल को पाए गए थे पॉजिटिव

टोक्यो। कोविड-19 के कारण जापान के एक सूमो पहलवान की मौत हो गई है। जापान सूमो संघ (जेएसए) ने बुधवार (13 मई) को इसकी जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट की अनुसार, 28 वर्षीय पहलवान सोबुशी की मौत का मामला कोविड-19 के कारण किसी सूमो पहलवान की मौत का पहला मामला है। क्योडो न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हैसोबुशी का पहला टेस्ट 10 अप्रैल को पॉजिटिव आया था और वह इससे पीड़ित होने वाले जापान के पहले सूमो पहलवान थे। इसके बाद 19 अप्रैल को उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई और उन्हें टोक्यो के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोबुशी की मौत बुधवार (13 मई) को सुबह अस्पताल में हुई। सोबुशी ने 2007 में पदार्पण किया था और वह जेएसए के चौथे डिवीजन में 11वें नंबर पहुंचे थे। जापान में 25 अप्रैल को लोवर डिवीजन के चार पहलवान कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। नए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जापान में 16,000 लोग कोविड-19 से संक्रमित हैं। देश में संक्रमण का पहला मामला जनवरी के बीच में सामने आया था। वहीं इससे अब तक 671 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, जापानी सरकार ने कोविड-19 की पहचान करने के लिए रैपिड एंटीजेन टेस्ट के लिए मंजूरी दे दी है। यह टेस्ट किट अन्य टेस्ट की तुलना में तेजी से परिणाम देता है। एफे न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस टेस्ट किट में नासोफेरींजल सैंपल की जरूरत होती है। वहीं इसके डायगनोसिस प्रक्रिया के लिए लैबोरेटरी की आवश्यकता नहीं होती है, जैसा कि आमतौर पर पीसीआर (पोलीमरेज चेन रिएक्शन) मैथोड में होता है, वहीं इसका परिणाम आधे घंटे से भी कम समय में उपलब्ध हो सकता है।

ड्रैगन से बदला लेने की शुरुआत? डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से अमेरिकी पेंशन फंड के अरबों डॉलर निवेश वापस लिए

वाशिंगटन। कोरोना वायरस कहर के बीच अमेरिका ने चीन को झटका देने की शुरुआत कर दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि उनके प्रशासन ने चीन से अरबों डॉलर के अमेरिकी पेंशन निधि निवेश निकालने के लिए कहा है और इसी तरह के अन्य कदमों पर विचार किया जा रहा है। कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद अमेरिका और चीन के संबंध बिगड़ गए हैं। अमेरिका ने कोरोना वायरस से निपटने में चीन के रुख पर निराशा व्यक्त की है। कोरोना वायरस अब तक अमेरिका में 80,000 से अधिक लोगों की जान ले चुका है। चीन पर कोरोना के बौद्धिक संपदा और अनुसंधान कार्य से जुड़ी जानकारियां चोरी करने का भी आरोप लगाया गया है। फॉक्स बिजनेस न्यूज पर जब ट्रंप से उन खबरों के बारे में पूछा गया कि क्या अमेरिका ने चीनी निवेश से अरबों डॉलर की अमेरिकी पेंशन निधि निकाली हैं, तो राष्ट्रपति ने कहा, अरबों डॉलर, अरबों ... हां, मैंने इसे वापस ले लिया। एक अन्य सवाल में, राष्ट्रपति से पूछा गया कि क्या वह अमेरिकी शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के लिए चीनी कंपनियों को सभी शर्तों का पालन करने के लिए मजबूर करेंगे। साक्षात्कारकर्ता ने कहा कि अलीबाबा जैसी चीनी कंपनियों को न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया है, लेकिन वे उस तरह कमाई की जानकारी साझा नहीं करते, जिस तरह कोई अमेरिकी कंपनी करती है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम इस मामले पर बहुत करीब से ध्यान दे रहे हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है, लेकिन इस मामले में एक समस्या है। मान लीजिए कि हम ऐसा (शर्तों का पालन करने के लिए मजबूर) करते हैं, ठीक है? तो फिर वे क्या करेंगे? वे लंदन या किसी अन्य स्थान पर इसे सूचीबद्ध कराने जाएंगे। इस बीच, कुछ समाचार रिपोर्टों के अनुसार, चीन उन अमेरिकी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है, जिन्होंने कोरोना वायरस प्रकोप से निपटने में लापरवाही बरतने को लेकर चीन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने वाली मांग संबंधी प्रस्ताव सीनेट में पेश किया है। बता दें कि कोरोना वायरस की वजह से अमेरिका और चीन में एक तरह से शीत युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका जहां कोरोना वायरस को लेकर चीन को जिम्मेदार ठहरा रहा है, वहीं चीन इन आरोपों को खारिज करता रहा है।

संपादकीय

दुखद हादसे

घर लौटते मजदूरों के साथ हो रहे सड़क हादसे सिर्फ शर्मनाक ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी हैं। ऐसे हादसे लोगों के दुख को पहले से ज्यादा गंभीर और गाढ़ा कर जाते हैं। बुधवार-गुरुवार को 24 घंटे से भी कम समय में अनेक दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें से तीन दुर्घटनाओं में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और 16 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। सबसे दुखद हादसा उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर-सहारनपुर रोड पर हुआ, जब रात के अंधेरे में चल रहे छह मजदूरों को एक बस ने कुचल दिया। पंजाब से बिहार के अपने गांव जा रहे इन मजदूरों का दोष क्या था? गरमी के इन दिनों में तपती दोपहरी में सड़क पर पैदल यात्रा से बचते हुए वे रात में ही ज्यादा से ज्यादा दूरी तय कर रहे हैं, तो यह सही और स्वाभाविक है, लेकिन ऐसे बेबस लोगों को कुचलने वाले कौन लोग हैं? कौन है, जिसे देश की हकीकत नहीं पता? कौन है, जिसे ऐसे बुरे वक्त में भी सड़क पर चल रहे लाचार मजदूरों की चिंता नहीं है? राजमार्गों पर चल रहे छोटे और भारी वाहनों को इस वक्त अतिरिक्त सतर्कता के साथ यात्रा करनी चाहिए। जो प्रशासन मजदूरों के पलायन को नहीं रोक सकता, वह कम से कम इन मार्गों पर वाहन चला रहे ड्राइवरों को सजग रहने के लिए पाबंद तो कर ही सकता है। उधर, मध्य प्रदेश के गुना में 60 से अधिक मजदूरों को लेकर जा रहे एक ट्रक से विपरीत दिशा से आ रही बस टकरा गई। इनमें सवार आठ मजदूर कभी घर नहीं लौट सकेंगे, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? ये दुर्घटनाएं प्रमाण हैं कि ऐसे समय में भी परिवहन नियमों की पालना नहीं हो रही है। राजमार्गों पर गाड़ियां अंधाधुंध दौड़ने लगी हैं। ठीक इसी प्रकार बिहार में मुजफ्फरपुर से कटिहार जा रही बस से ट्रक भिड़ गया। करीब 30 मजदूर घायल हुए और दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीन राज्यों में हुए ये तीन हादसे एक ही तरह की लापरवाही के दुष्परिणाम हैं। जाहिर है, इन मजदूरों के आश्रितों को पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। ध्यान रहे, ये मजदूर अपनी वापसी के लिए स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। उनकी वापसी व्यवस्था का एक विफल पहलू है, व्यवस्था को इन दुर्घटनाओं की भरपाई करने के साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे हादसे दोहराए न जाएं। उत्तर प्रदेश सरकार ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देकर सराहनीय कार्य किया है। इसके साथ ही उसने दुर्घटना के कारणों की जांच तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के निर्देश भी दिए हैं। यह जरूरी है कि इस आपदा की आड़ में नियम-कायदों से कोई खिलवाड़ न हो। अंधाधुंध दौड़ रहे वाहनों की जांच और पैदल चलते मजदूरों के मद्देनजर गति सीमा निर्धारित और लागू करने की जरूरत है। रात में चल रहे मजदूरों और उनके परिवारों को हाथ में कुछ रोशनी या संकेतक लेकर चलना चाहिए, इसमें समाजसेवी संस्थाएं व सरकारें उनकी मदद कर सकती हैं। हमें सावधानी को अपने स्वभाव में ढाल लेना चाहिए। ध्यान रहे, लॉकडाउन से पहले देश में रोज 1,200 से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती थीं, जिनमें 1,200 से भी ज्यादा लोग घायल होते थे और 400 से ज्यादा जान गंवाते थे। इसलिए संकल्प लेना चाहिए, हमें दुर्घटनाओं के उस दौर में नहीं लौटना है। इसके लिए लोगों और सरकारों को कमर कस लेनी चाहिए।

विज्ञान की कसौटी पर उड़न तश्तरी

निरंकार सिंह

उड़न तश्तरियों के अस्तित्व को आधिकारिक तौर पर दुनिया में मान्यता नहीं दी गई है। ऐसा माना जाता है कि इन उड़ती वस्तुओं का संबंध दूसरी दुनिया से है क्योंकि इनके संचालन की असाधारण और प्रभावशाली क्षमता मनुष्यों द्वारा प्रयुक्त किसी भी उपकरण से बिल्कुल मेल नहीं खाती, चाहे वह सैन्य उपकरण हो या नागरिक, वह बिल्कुल अलग दिखती है। दुनिया के कई देशों में बहुत से लोग उड़न तश्तरियों के अस्तित्व पर भरोसा करते हैं। आकाश में उड़ती किसी अज्ञात वस्तु (यूएफओ) को उड़न तश्तरी कहा जाता है। सालों से आसमान में उड़न तश्तरियां देखे जाने का दावा किया जाता रहा है। पिछले दिनों एक बार फिर अमेरिका ने यूएफओ देखे जाने का दावा किया। दरअसल, पेंटागन ने एक वीडियो जारी कर एलियन और उड़न तश्तरियों (यूएफओ) के देखे जाने का दावा किया था।

बताया जा रहा है कि इस वीडियो को अमेरिकी नौसेना के पायलटों ने बनाया है। हालांकि यह वीडियो साल 2004 और 2015 के बताए जा रहे हैं। वीडियो नए नहीं, बल्कि पुराने हैं और इनमें से दो को न्यूयॉर्क टाइम्स ने 2017 में अपनी खबर में प्रकाशित किया था। 2019 में पेंटागन ने इसकी पुष्टि की और पूरी तरह से इनकी समीक्षा करने के बाद जारी किया था। आकाश में देखी जाने वाली अस्पष्ट चीजें हमेशा से लोगों के आकर्षण का केंद्र रही हैं। इसीलिए यूएफओ की अनिश्चितता भी आकर्षक है। इनमें बाकी दुनिया एलियन और सरकार से जुड़ी कई ऐसी बातें शामिल हैं, जो इन्हें बेहद दिलचस्प बनाती हैं। हालांकि वक्त के साथ इन अजीबो-गरीब धारणाओं से भी पर्दा उठता गया। लेकिन इसके बाद साल 2017 में पेंटागन ने आखिरकार स्वीकार किया कि वह काफी वक्त से यूएफओ की जांच करने का कार्यक्रम चला रहा था, जिसे बंद कर दिया गया है। आज अमेरिकी नौसेना इन अस्पष्ट चीजों को यूएफओ या उड़न तश्तरी के बजाय अनआइडेंटिफाइड एरियल फेनॉमिना (यूएएफ) कहना पसंद करती हैं। यानीन ऐसी अज्ञात वस्तुएं ब्रह्मांड में विचरण करती रहती हैं।

भारत के भी कई शहरों में उड़न तश्तरियों को उड़ते हुए देखे जाने की खबरें जब तब आती रही हैं। 29 अक्तूबर 2008 को पूर्वी कोलकाता में आसमान में तेजी से जाती एक बड़ी चीज दिखी थी। इसमें से कई रंग निकलते दिखाई दिए। इसी तरह 20 जून 2013 को चेन्नई में कुछ लोगों ने रात में दक्षिण से उत्तर की तरफ जाती एक चमकदार चीज देखने का दावा किया था। इसके बाद इसी साल चार अगस्त को भारतीय सेना के जवानों ने लद्दाख में अज्ञात चीजें आसमान में देखीं। लेकिन इन घटनाओं का कुछ पता न चल सका। 2014 में लखनऊ में उड़न तश्तरी देखे जाने की घटना सामने आई थी। खगोलशास्त्री इसे यूएफओ मान रहे थे। सिर्फ हाल के वर्षों में ही नहीं, सन 1951 में नई दिल्ली में सिगार के आकार की वस्तु देखी गई थी, जो करीब बीस फुट लंबी थी। यह वस्तु कुछ ही पलों में ओझल हो गई थी। कई चश्मदीदों के अनुसार इन अज्ञात उड़ती वस्तुओं के बाहरी आवरण पर तेज प्रकाश होता है और ये या तो अकेले घूमती हैं या एक प्रकार से लयबद्ध होकर और इनमें बहुत गतिशीलता होती है। ये उड़न तश्तरियां बहुत छोटे से लेकर

बहुत विशाल आकार तक होती हैं। उड़न तश्तरी शब्द 1940 के दशक में सामने आया था और ऐसी वस्तुओं को दशार्ने या बताने के लिए प्रयुक्त किया गया था, जिनके उस दशक में बहुतायत में देखे जाने के मामले प्रकाश में आये। तब से लेकर अब तक इन अज्ञात वस्तुओं के रंग-रूप में बहुत परिवर्तन आया है, लेकिन उड़न तश्तरी शब्द अभी भी प्रयोग में हैं और ऐसी उड़ती वस्तुओं के लिए प्रयुक्त होता है जो दिखने में किसी तश्तरी जैसी दिखाई देती हैं और जिन्हें धरती की आवश्यकता नहीं होती।

उड़न तश्तरियों के अस्तित्व को आधिकारिक तौर पर दुनिया में मान्यता नहीं दी गई है। ऐसा माना जाता है कि इन उड़ती वस्तुओं का संबंध दूसरी दुनिया से है क्योंकि इनके संचालन की असाधारण और प्रभावशाली क्षमता मनुष्यों द्वारा प्रयुक्त किसी भी उपकरण से बिल्कुल मेल नहीं खाती, चाहे वह सैन्य उपकरण हो या नागरिक, वह बिल्कुल अलग दिखती है। रूस के इतिहास में 1989 का साल काफी दिलचस्प रहा। उस साल वहां कई बार यूएफओ देखे जाने की खबरें आई थीं। सबसे पहले 14 अप्रैल के दिन चेरेपोवैस्क के इवान वेसेलोवा ने बहुत बड़े आकार की यूएफओ देखने का दावा किया। फिर छह जून के दिन कोनेटसेवो में बहुत से बच्चों ने ऐसा दावा किया। इसके बाद 11 जून के दिन वोलागड़ा की एक महिला ने सत्रह मिनट तक उड़न तश्तरी देखने की बात कही। एक और मामले में करीब पांच सौ लोगों ने ऐसा दावा किया।

सबसे ज्यादा रोमांचक किस्सा 17 सितंबर 1989 का है जब वोरोनेज के एक पार्क में बहुत बड़ा लाल रंग का अंडाकार यान उतरा था। कुछ देर बाद यान में से दो एलियन निकले। एक करीब बारह से चौदह फीट लंबा था और उसकी तीन आंखें बताई गई थीं। दूसरा रोबोट जैसा लग रहा था। पार्क में खेल रहे बच्चे उसे देखकर चीखने लगे तो उसने एक बच्चे पर लाइट की बीम छोड़ी और बच्चा लकवे जैसी स्थिति में पहुंच गया। उस जगह की गहन जांच करने पर वहां मिट्टी में विकिरण के निशान मिले थे। वहां फास्फोरस की मात्रा ज्यादा पाई गई। वैज्ञानिकों के अनुसार यूएफओ का वजन कई टन था। ऐसी ही एक और पुरानी घटना है जो उड़न तश्तरियों के अस्तित्व पर प्रकाश डालती है। जून,1947 में एक अमेरिकी कारोबारी कैनेथ अर्नाल्ड ने अपने हेलिकाप्टर से वाशिंगटन की नजदीकी पहाड़ियों के ऊपर अर्ध चंद्राकार नौ अज्ञात वस्तुएं आकाश में उड़ती देखी थीं। अगले ही दिन अखबारों की सुर्खियां थीं- अमेरिका में उड़न तश्तरी देखी गई। इस घटना के दो दशक बाद स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पीटर स्टार्क और प्रो. वोन आर. ईशलमैन के नेतृत्व में एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में उन आठ खगोल वैज्ञानिकों को बुलाया गया था जिन्होंने उड़न तश्तरी के बारे में ठोस दावे किए थे।

हालांकि सम्मेलन के अंत में यही रिपोर्ट जारी की गई कि ऐसी अनोखी घटनाओं के बारे में और अधिक अध्ययन करने की आवश्यकता है। इससे पहले भी उड़न तश्तरियों पर अमेरिका के साथ ही रूस, स्वीडन, फ्रांस, बेल्जियम, ब्राजील, चिली, मैक्सिको आदि देशों में अध्ययन किए गए थे। स्पेन के वैज्ञानिकों ने तो अपने अध्ययन में ऐसे करीब छह हजार दावों को तर्क की कसौटी पर परखा और अमेरिका को इस मामले में मनगढ़ंत अफवाहें फैलाने का दोषी भी माना। हालांकि ऐसे अध्ययन जारी रहे।

विज्ञान की कसौटी पर उड़न तश्तरी अब भी खरी नहीं उतरी है। तेल अवीव यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोलिन प्राइस उड़न तश्तरी को प्राकृतिक परिघटना के रूप में देखते हैं। उन्होंने अपनी अध्ययन रिपोर्ट में कहा भी था कि दरअसल उड़न तश्तरी एक प्राकृतिक परिघटना है। उन्होंने इसका नाम स्प्राइट यानी जादुई परी रखा था। हालांकि वर्ष 1989 में दुर्घटनावश स्प्राइट की परिघटना को रिकार्ड कर लिया गया था। उस समय एक खगोल विज्ञानी ने तारों का अध्ययन करते समय अपनी शक्तिशाली दूरबीन से जुड़े कैमरे में कौतूहलपूर्ण क्षणिक घटना को कैद कर लिया था।

बाद में प्रो. प्राइस और उनकी टीम ने उस पर गंभीर अध्ययन किया तो पाया कि धरती से पचास से एक सौ बीस किलोमीटर की दूरी पर इस तरह की घटनाएं खास परिस्थितियों में लगातार होती रहती हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि खास प्राकृतिक घटनाओं की वजह से ऐसा दिखाई देता है। आकाश में काफी ऊंचाई पर बनने वाले शक्तिशाली चक्रवातों की वजह से विद्युतीय तरंगें पैदा होती हैं, जो विमानों और राडारों को प्रभावित करती हैं। कई बार तो इन परिस्थितियों में व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी प्रभावित हो जाता है। ऐसे में चक्रवात जैसी प्राकृतिक घटनाएं भी चमत्कारिक लग सकती है।

चौथा स्तम्भ

धूप में छांव में हम बरसात में भी खड़े रहते हैं,
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
भूख प्यास को भूलकर हम
सबको दिन रात दुनिया का हाल बताते हैं,
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
घर परिवार से आगे हम पहले जनहित को लाते है,
दुनिया मे पहने झूठे मुखौटों को हम हटाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।

घर परिवार की छोड़ चिंता दिन रात खबरों में दिन निकालते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
देशहित में उठा कर मुद्दा हम खबरों को बनाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
राजनीति लिखते है रणनीति बन जाती है
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
सच को परोसते है हम कभी अखबारों-समाचारों में तो
चौराहे पर कुचले जाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
देश मे चल रही हवा का रुख बताते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
समाजसेवा से लेकर राजनीति और हर गरीब की भूख बताते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
गलत राह पर चल रहे को हम रास्ता दिखाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
राष्ट्र की प्रगति में पत्रकार ज्यादा प्रभावशाली कहलाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
कभी संवेदना,कभी दर्द तो कभी सच लिखते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
शोषित होते हैं कई बार तो उलझने-मुशिबतें भी झेलते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
कभी खाने की खबर तो कभी सुंदरता बटोरते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
कभी आंदोलनों से गुजरते हैं हम कभी थप्पड़ तो कभी धक्के-मुक्के भी खाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
सियासी साजिशें व लापरवाही दिखाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
बाहरी बुराइयों ताकतों का सदैव सामना करते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
किसानो की झोपड़ी से लेकर अमीरो के महलों का हाल हम बताते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
खबर बटोर कर हम खबरों की तह तक जाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।

अर्पित गुप्ता
उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे समूह

अधिकार से अदालत तक असर

केवल युद्धों की वजह से इतिहास का प्रवाह और भूगोल नहीं बदलता। महामारियों और आर्थिक कारणों से भी इतिहास के प्रवाह की दिशा बदल जाती है। वर्ष 1665 का लंदन का प्लेग और 1930 के दशक की आर्थिक मंदी गवाह है कि पूरे विश्व की चिंतनधारा का रुख बदल गया। ब्रिटेन उस समय दुनिया का सबसे ताकतवर देश था। उस महामारी ने औद्योगिक क्रांति से लेकर दास प्रथा तक को प्रभावित किया। उसी तरह, 1930 के दशक की आर्थिक मंदी ने दुनिया की आर्थिक-संस्कृति में व्यापक बदलाव किया। व्यापार करने के अधिकार पर सरकारी नियंत्रण की शुरुआत हुई। इन घटनाओं ने कानूनी ढांचे और न्याय-दर्शन को भी प्रभावित किया। अमेरिका में तो सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों ने इसलिए त्यागपत्र दे दिया कि उनकी अंतरात्मा नए सरकारी नियंत्रण को स्वीकार नहीं कर रही थी और वे मानते थे कि मंदी से बाहर निकलने के लिए और कोई दूसरा रास्ता नहीं था। कोई भी आजादी समाज-निरपेक्ष नहीं हो सकती। जब समाज में शांति और स्थिरता है, तो आजादी का दायरा बढ़ जाता है, लेकिन विपदा के समय में वह कम हो जाता है। गणित की भाषा में कहें, तो आजादी सामाजिक शांति की समानुपाती होती है। सामाजिक हितों की रक्षा के लिए उस पर विधि-सम्मत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। कोविड-19 में 1665 के प्लेग और 1930 की आर्थिक मंदी के कुप्रभावों का खतरनाक गठबंधन है। यह समाज के हर आयाम को प्रभावित करेगा। कानूनी ढांचा और न्याय प्रक्रिया बिल्कुल बदले स्वरूप में होगी और आजादी व न्याय के नए रास्ते बनेंगे। सबसे बड़ा प्रभाव व्यक्तिगत आजादी पर पड़ेगा। चूंकि सरकार की पहली जिम्मेदारी है कि वह लोगों के जीवन व स्वास्थ्य की रक्षा करे। आज परिस्थितियां ऐसी हैं कि इस वायरस का फैलाव को रोकने के लिए लोगों की आवाजाही, मेल-मिलाप, पहनावा और दूसरे सामाजिक आचरणों का नियमन करना होगा। इससे राज्य के अधिकार बढ़ेंगे तथा हमारे अनुच्छेद 21 की दैहिक स्वतंत्रता का विस्तार कम होगा। संविधान हमें यह मूल अधिकार देता है कि मजिस्ट्रेट की अनुमति के बगैर किसी व्यक्ति को 24 घंटे से ज्यादा समय के लिए निरुद्ध नहीं किया जा सकता, लेकिन कोरोना संकट के समय ऐसा करना पड़ रहा है। संक्रमण की आशंका के आधार पर पुलिस किसी को रोक सकती है, मेडिकल जांच से गुजरने को बाध्य कर सकती है तथा जरूरत पड़ने पर क्वारंटीन कर सकती है और इसके लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति की जरूरत नहीं है। इस महामारी का असर धार्मिक आजादी पर भी पड़ना लाजिमी है। संविधान में प्रत्येक व्यक्ति को धार्मिक आजादी दी गई है। हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक मान्यता के मुताबिक आचरण करने और यहां तक कि उसे प्रचारित करने का अधिकार है। सामूहिक रूप से पूजा-नमाज इस अधिकार का अभिन्न भाग है। लेकिन कोविड-19 से जो हालात बने हैं, उनमें यह बिल्कुल संभव नहीं। कठोर प्रतिबंधों की जरूरत पड़ी है। सामूहिक पूजा-अर्चना को रोकना पड़ा है और आने वाले समय में इसमें जरूरत के मुताबिक परिवर्तन आएगा। इस महामारी का निजता के अधिकार पर अभूतपूर्व प्रभाव पड़ेगा। हरेक सभ्य समाज अपनी निजता के प्रति आग्रही होता है। संक्रमण रोकने के लिए हमें अपनी आजादी से कुछ समझौता करना ही होगा। कुछ आपत्तियां आई हैं, मगर वक्त का प्रवाह ऐसा है कि निजता के अधिकार के मौजूदा विस्तार से समझौता करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। कोविड-19 का प्रभाव न्यायिक प्रक्रिया पर पड़ना ही है। अदालती प्रक्रिया में युगांतकारी परिवर्तन दस्तक दे रहा है। पिछले तीन सौ वर्षों में विकसित बहस करने की संस्कृति में लंबे समय के लिए परिवर्तन हो सकता है। हालात देखते हुए सर्वोच्च अदालत ने ड्रेस-कोड में परिवर्तन किया है और संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए कोट और गाउन के बगैर अदालत में पेश होने का निर्देश जारी किया है।

लाचारी का मारा

मजदूर हूँ में,पर मजबूर नहीं।
मेरी गरीबी कोई कसूर नहीं।।
था में बहुत थका हारा, बेबस लाचारी का मारा।
पेट की आग के खातिर,फिरा में पग पग जग सारा।।
जाने कई महलों में, मेरा बहा पसीना था।
सपने बड़े दिखाकर,हमसे सब कुछ छीना था।।
ना नाम मेरा,ना काम मेरा।
बस केवल इस्तेमाल मेरा।।
रोटी के टुकड़े के कारण,टुकड़े टुकड़े आज हुआ।
भूखे चलते चलते आज, पावं से मेरे लहू बहा।।
ना साधन,ना सुविधा,न कोई हमदर्दी है।
चारो तरफ फैली केवल,मौत की दहशत गर्दी है।।
सर पर बोझ उठाये है, कंधों पर जिम्मेदारी है।
लौट चले पैदल ही घर को, हिम्मत नहीं हारी है।।
सुन लो दाता मेरी,मानकर फरियाद सही।
मजदूरों के काम की,आएगी सबको याद कही।।
मजदुर हूँ में ,पर मजबूर नहीं।
मजदुर हूँ में, पर मजबूर नहीं।।

कमलेश शर्मा कमल (अध्यापक)
अरनोद,जिला प्रतापगढ़(राज.)

बेटी की आवाज़

मत रोको मुझे मत टोको मुझे मैं भी कुछ करना चाहती हूं कुछ करना चाहती हूं। मैं भी आगे बढना चाहती हूं। मैने भी देखें कुछ ख्वाब उन्हें पूरा करना चाहती हूं। मैं भी आगे बढना चाहती हूं । मत काटो मेरे पंख मैं भी उड़ना चाहती हूं मैं भी उड़ना चाहती हूं ।मैं भी आगे बढना चाहती हूं । मैं भी अपने अस्तित्व को पूरा करना चाहती हूं मैं भी आगे बढना चाहती हूं ।मत रोको मुझे मत टोको मुझे मैं भी कुछ करना चाहती हूं कुछ करना चाहती हूं। कैद में मत रखो मुझे मैं भी आजादी से जीना चाहती हूं। मैने भी देखें कुछ सपने उन्हें पूरा करना चाहती हूं । मत रोको मुझे मत टोको मुझे मैं भी कुछ करना चाहती हूं।

पल्लवी गुप्ता, गोहद जिला भिंड मध्यप्रदेश

गरीब है साहब

गरीबों पर तो हर वक्त गुजरी है
चाहे नोटबंदी हो चाहे कर्ज हो
चाहे कोई वायरस का प्रकोप
खडा किया मुकद्दर ने लाइन में

हमेंशा गरीबो को ही
कभी ट्रेन के नीचे कुचला गया
तो कभी तपती धूप में
तो कभी भूख प्यास ने
कोई नहीं सुनता गरीबों की
बेवस लाचार है ये गरीब
हजारों की संख्या में निकले है
राही बनकर ये गरीब
लिए कंधे पर अपना बोझ
बस चले जा रहे अपने गाँव
थक गए है हार गए है
पांव में पड़गए हैं छाले
फिर भी न रूके कदम
क्या कसूर उन बच्चों का
जो पूछ रहे हैं बाबा से
कब हम खायेंगे पेट भर खाना
कब हम पहुंचेंगे अपने गाँव
अब नहीं सही जाती ये भूख
ये धूप ये गर्मी ये प्यास
क्या कसूर है इनका
बस इतना कि इन पर
लगा है गरीब का थप्पा
उन मासूमों की बेबसी किसने जानी
जो नन्हे कदमों से कर गए मीलों की दूरी तय
बस पूछ रहे इतना कि
कब पहुंचेंगे अपने गाँव।

पारुल गुप्ता
आलमपुर,भिण्ड मप्र

ध्यान से अध्यात्म तक का रास्ता

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें वास्तव में ऐसा क्या करना चाहिए ताकि परम, ईश्वर जो मेरे जीवन में हो सके? आप अपने जीवन में कुछ और नहीं कर सकते हैं, लेकिन यह सोचें कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूं, ऐसा नहीं है। तो पहले हमें यह जानना होगा कि आध्यात्मिक क्या है और विज्ञान में क्या भूमिका है और आध्यात्मिक जीवन में होने पर क्या हुआ। आध्यात्मिकता का किसी धर्म, संप्रदाय या पंथ से कोई संबंध नहीं है। आध्यात्मिकता इस बारे में है कि आप अपने अंदर कैसे हैं। भौतिकता से परे जीवन का अनुभव करने के लिए आध्यात्मिक होने का मतलब है। यदि आप ब्रह्मांड के सभी प्राणियों में सर्वोच्च शक्ति का एक ही हिस्सा देखते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। यदि आपको पता चलता है कि आपके दुख, आपके क्रोध,आपके दुःख के लिए कोई और नहीं,बल्कि आप स्वयं उनके निर्माता हैं,तो आप आध्यात्मिक पथ पर हैं। यदि आप जो भी अच्छा काम करते हैं, वह उसमें निहित है,तो आप आध्यात्मिक हैं। यदि आपने अपने अहंकार,क्रोध,आक्रोश, लालच,ईर्ष्या और पूर्वाग्रहों को खो दिया है,तो आप आध्यात्मिक हैं। बाहरी परिस्थितियों के बावजूद,भले ही आप अपने अंदर हमेशा खुश और खुश रहें,आप आध्यात्मिक हैं।यदि आप इस रचना की विशालता के सामने अपनी स्थिति से अवगत रहते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं।अगर आपको दुनिया के सभी प्राणियों पर दया आती है,तो आप आध्यात्मिक हैं। आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि आपके अनुभव की सतह पर आप जानते हैं कि मैं स्वयं अपने आनंद का स्रोत हूं। आध्यात्मिकता आप में हो सकती है मंदिर,मस्जिद या चर्च में नहीं। यह अपने आप को अंदर खोजने के बारे में है।यह स्वयं के रूपांतरण के लिए है।यह उन लोगों के लिए है जो जीवन के हर आयाम को पूरी जीवन शक्ति के साथ जीना चाहते हैं।अस्तित्व में एकता और एकरूपता है और प्रत्येक मनुष्य अपने आप में अद्वितीय है।इसे पहचानना और इसका आनंद लेना ही आध्यात्मिकता का सार है।

विज्ञान क्या है?

किसी भी वस्तु के बारे में जानकारी लेना और सही तरीकों से जानकारी को लागू करना और किसी भी वस्तु का सही ढंग से निरीक्षण और

विश्लेषण करना है। विज्ञान और अध्यात्म एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

हालांकि दोनों की अलग-अलग राय और विचारधाराएं हैं,लेकिन दोनों एक अच्छे और संतुष्ट जीवन के सामान्य मार्ग का मार्गदर्शन करते हैं।विज्ञान चीजों को तोड़ता है और उस पर सोचता है जबकि आध्यात्मिकता चीजों में शामिल होती है और इसके बारे में सोचती है। दूसरे शब्दों में,विज्ञान सब कुछ टुकड़ों में देखता है।विज्ञान तथ्यों और तर्कों पर आधारित है जबकि आध्यात्मिकता मान्यताओं और अनुभवों पर आधारित है जिसे समझाया नहीं जा सकता।विज्ञान में सब कुछ एक-दूसरे से अलग हो जाता है जबकि आध्यात्मिकता एक-दूसरे को और हर चीज़ को एक-दूसरे से जोड़ती है। आज हम आध्यात्मिक के बारे में बात करते हैं और यह हमारे जीवन को कैसे खुशहाल बनाता है और इससे हमें क्या लाभ मिल सकते हैं और हम आध्यात्मिकता से कैसे जुड़ सकते हैं?योग और ध्यान जीवन का एक तरीका है, यह सांसारिक और आध्यात्मिक बाधाओं से भी मुक्ति दिलाता है। यह आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ देता है। हम भागदौड़ भरी जिंदगी,अपने खान-पान और दिनचर्या से तनावग्रस्त हो गए हैं। हमारे पास व्यायाम और %योग% के लिए समय नहीं है।न ही आध्यात्मिक हमें बताता है कि एक व्यक्ति को घर छोड़ने और जंगल और गिरि कंदराओं में जाने की आवश्यकता नहीं है,एक घंटा भी योगी बन सकता है और सेवानिवृत्ति के रास्ते पर चल सकता है।ध्यान स्वयं को दुनिया से अलग करने या स्वयं को बंद करने की प्रक्रिया नहीं है,बल्कि यह दुनिया की सच्चाई की समझ है। योग और ध्यान सभी जाति,उम्र, रंग,नस्ल,धर्म और अमीर और गरीब के लिए उपयोगी हैं।ध्यान ’का अभ्यास करने से एकाग्रता, आत्म-नियंत्रण,सहनशीलता,मन की शांति और जीवन में सकारात्मक सोच आती है। योग और ध्यान से कई तरह की बीमारियां ठीक होती हैं। यह न केवल बीमारियों से मुक्ति देता है, बल्कि जीवन की मुक्ति का भी साधन है।।

पायल बेदी
अंबाला कैंट्ट

बेटे के साथ जमकर मस्ती की श्वेता तिवारी ने

बेटे के साथ यूं मस्ती करती नजर आई श्वेता तिवारी, मां बेटे के बीच दिखा प्यारा बॉन्ड

कोरोना का संक्रमण इन दिनों देशभर में तेजी से पैर पसार रहा है। सरकार ने इसे रोकने के लिए देशभर में लॉकडाउन की घोषणा की हुई है। ऐसे में सभी स्टार्स घर में क्वारनटीन में परिवार के साथ टाइम स्पेंड कर रहे हैं। घर में कोई घर के काम करके तो कोई खाना बनाकर टाइम काट रहा है।

अब श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वो अपने बेटे रेयांश कोहली के साथ नजर आ रही हैं। तस्वरी में वो अपने बेटे को साइकिल चलाना सिखा रही हैं। मां बेटे का बॉन्ड साफ नजर आ रहा है। श्वेता की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। साथ ही फैंस को उनकी ये तस्वीर काफी पसंद आ रही है। कुछ दिन पहले भी श्वेता ने एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें वो बेटे रेयांश कोहली के बाल कांट रही थी। साथ ही कैप्शन में लिखा था कि, हमेशा आत्मनिर्भर रहें, जबकि आप बार्बर भी बन सकते है। बात दे कि श्वेता तिवारी क्वारनटीन पीरियड में अपनी फैमिली संग समय बिता रही हैं। अपने बेटे रेयांश कोहली और बेटी पलक तिवारी संग श्वेता टाइम स्पेंड करती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों सोशल मीडिया पर भी एक्टिव हैं। इसके अलावा वो अपना समय किताबें पढ़ने में लगाती है। आपको बता दें कि लॉकडाउन से पहले श्वेता तिवारी के भाई की शादी थी। इसमें श्वेता की बेटी पलक के साथ बेस्ट बॉन्ड देखने के लिए मिला था। मां-बेटी ने साथ में शादी में जमकर एन्जॉय किया था। श्वेता तिवारी टीवी वर्ल्ड का बड़ा नाम हैं। उन्हें टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी के से घर घर में पॉपुलैरिटी मिली। इसके अलावा वो बिग बॉस विनर भी रह चुकी हैं। वहीं, अगर एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो इन दिनों मेरे डैड की दुल्हन और वेब सीरीज हम तुम और देम में नजर आई थीं।

मम्मी पूजा की दूसरी शादी करवाना चाहती हैं

अलाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा बेदी ने दो दिन पहले अपना 50वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया है। पूजा बॉलीवुड में अपने बोल्ड अवतार के लिए खूब फेमस रहीं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ के चलते भी खूब सुर्खियों में रहती हैं। बीते दिनों अपनी सगाई के चलते छाई थी। एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड मानेक संग गुपचुप सगाई कर ली थी। वहीं अब एक्ट्रेस ने अपनी शादी के बारे में कुछ खुलासे किए है।

एक इंटरव्यू में पूजा ने बताया कि सभी रिलेशनशिप्स में उनके बच्चों ने उनका काफी सपोर्ट किया है और वह उन्हें दोबारा शादी के लिए लगातार प्रोत्साहित भी करते थे। एक्ट्रेस पूजा बेदी ने कहा, अगर कोई व्यक्ति मेरी लाइफ में होता है तो मेरे बच्चों को ये पसंद आता है। चाहे किसी भी कारण से हो, लेकिन मैंने अपनी लाइफ की जर्नी बच्चों के साथ एन्जॉय की है। पूजा बेदी ने बताया कि अलाया और ओमर ने ही उन्हें सेटल डाउन होने के लिए प्रेरित किया था। आगे उनहोंने बताया कि, मेरे बच्चे कहते थे मां, आपको भी किसी के साथ जीवन बिताना चाहिए. ये सुनकर मैं कहती थी क्या? वे कहते थे हां, पापा को देखो। उन्हें लैला आंटी मिल गई और वह उनके साथ सेटल डाउन हैं। दोनों का एक बच्चा भी है। पूजा बेदी ने आगे बताया, पापा की लाइफ ठीक हो गई है। आपको भी कोई मिल जाना चाहिए और उससे शादी करने लेनी चाहिए और सेटल डाउन हो जाना चाहिए। क्यास लगाए जा रहे है कि जल्द एक्ट्रेस शादी के बंधन में बंध जाएंगी। बता दें पूजा ने 1990 में फरहान फर्नीचरवाला से शादी की थी, जिससे उनके दो बच्चे आलिया और उमर हैं। यह शादी लगभग 10 साल चली थी। 2003 में दोनों का तलाक हो गया था। पूजा ने अकेले अपने बच्चों की परवरिश की है। बता दें कि पूजा वेटरन एक्टर कबीर बेदी और मशहूर भारतीय क्लासिकल डांसर प्रोतिमा की बेटी हैं। कबीर बेदी की शादीशुदा ज़िंदगी भी काफी उतार-चढ़ाव वाली रही है। उन्होंने चार शादियां कीं। कबीर ने आखिरी शादी अपने 70वें जन्मदिन पर परवीन दुसांज के साथ की थी।

पूजा बॉलीवुड में अपने बोल्ड अवतार के लिए खूब फेमस रहीं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ के चलते भी खूब सुर्खियों में रहती हैं। बीते दिनों अपनी सगाई के चलते छाई थी। एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड मानेक संग गुपचुप सगाई कर ली थी। वहीं अब एक्ट्रेस ने अपनी शादी के बारे में कुछ खुलासे किए है।

सुदीप शर्मा ने किया खुलासा, अमेजॅन ओरिजनल सीरीज पाताल लोक बनी चित्रकूट में फिल्माई गयी पहली सीरीज!

अमेजॅन प्राइम वीडियो की आगामी बोल्ड और दमदार सीरीज पाताल लोक अपनी घोषणा के बाद से ही खूब सुर्खियां बटोर रही है। निमार्ताओं ने सीरीज में प्रमाणिकता बनाये रखने की हर मुमकिन कोशिश की है और यही वजह है कि 'पाताल लोक' को देश विभिन्न शहरों और कस्बों में शूट किया गया है। इस बहुप्रतीक्षित क्राइम-थ्रिलर सीरीज को एक या दो नहीं बल्कि छह शहरों में फि ल्माया गया है। दिल्ली, गुड़गांव, रोहतक, चित्रकूट, अहमदाबाद और मुंबई में फिल्माई गयी इस सीरीज को इन शहरों में विभिन्न 110 लोकेशन्स पर शूट किया गया है। 'पाताल लोक' को दिल्ली के आस-पास के कई गाँवों के अंदरूनी हिस्सों में फिल्माया गया है और साथ ही, चित्रकूट जैसे इंटेंस शहर में फिल्माए जाने वाली यह पहली सीरीज बन गयी है।

अपने इस अनुभव के बारे में बात करते हुए निमार्ता सुदीप शर्मा कहते है,यह पहली बार है जब चित्रकूट में किसी फिल्म या श्रृंखला की शूटिंग की गई है। जब शुरूवात में हम रैकी के लिए चित्रकूट गए थे, तो हमें इलाके और बुनियादी ढांचे की कमी के बारे में पता नहीं था। हमें शूटिंग के इको-सिस्टम का निर्माण बिल्कुल शुरूआत से करना पड़ा था। हमारे लिए सौभाग्य से, हाल ही में वहाँ एक होटल खोला गया था और इससे हमें बेहद मदद मिली। शहर लगभग बनारस की तरह एक भूला-बिसरा शहर है, लेकिन यहाँ उतनी चहल-पहल नहीं है। 'पाताल लोक' के निमार्ताओं द्वारा इसे इंटेंस और दिलचस्प बनाये रखने में पूरी कोशिश की गई है जिसकी एक झलक हमें सीरीज के टीजर और ट्रेलर में भी देखने मिल रही है। टीजर रिलीज से शुरूआत करते हुए, निमार्ताओं द्वारा एक के बाद एक, जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और नीरज काबी का करैक्टर पोस्टर रिलीज किया गया था। वही, ट्रेलर में 'पाताल लोक' की कहानी की एक अंतर्दृष्टि साझा की गई है जो आपको नरक के प्रवेश द्वार से ले जाते हुए झकझोर कर रख देगी। निमार्ता सुदीप शर्मा (उडता पंजाब, एनएच 10 के लेखक) द्वारा बहुप्रतीक्षित अमेजॅन ओरिजिनल सीरीज 'पताल लोक' 15 मई, 2020 में रिलीज के लिए तैयार है।

सोनम कपूर ने फोटो शेयर कर पूछा हे भगवान क्या करूं?

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों अपने रॉयल फोटोज को लेकर चर्चा में हैं। फिर चाहें वो फोटोज उनके आलीशान घर की हों या उनकी खुद की।

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों अपने रॉयल फोटोज को लेकर चर्चा में हैं। फिर चाहें वो फोटोज उनके आलीशान घर की हों, या उनकी खुद की। सोनम ने हाल ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ रॉयल फोटोज शेयर कीं। इन फोटोज में सोनम काफी ग्लैमरस लग रही हैं और महारानी की तरह पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों की एक खास बात और है, वो ये कि इसमें सब कुछ काफी रॉयल लग रहा है। सोनम के कपड़ों से लेकर ज्वैलिरी और फर्नीचर तक सभी काफी रॉयल नजर आ रहा है। सोनम इन फोटोज में काफी अच्छी लग रही हैं, लेकिन उसके बावजूद भी वो ट्रोल हो गईं। यूजर उन्हें क्यों ट्रोल कर रहे हैं ये हम आपको बताते हैं। दरअसल, सोनम ने जो फोटो शेयर की उसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा हे भगवान क्या करूं। इस फोटो का लिंक सोनम ने अपने ट्विटर अकाउंट पर भी शेयर किया। बस सोनम का इस कैप्शन के साथ लिंक शेयर करना था कि लोग कूद पड़े अपने-अपने सजेशन देने। किसी ने सोनम की एक्टिंग का मजाक उड़ाया, तो किसी ने कहा आपके पास बहुत पैसा है तो दान कर दीजिए। एक यूजर ने तो उन्हें झाड़ू पोंछा करने तक की सलाह दे डाली। देखें सोनम की फोटो पर लोगों नें उन्हें कैसे ट्रोल किया। आपको बता दें सोनम कपूर इस वक्त दिल्ली में अपने घर पर पति आनंद आहूजा के साथ क्वरंटाइन हैं। सोनम ने कुछ दिन पहले अपने घर की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं जिन्हें देखकर हर कोई हैरान रह गया था। सोनम के घर के अंदर की ये तस्वीरें किसी महल से कम नहीं थीं। सोनम के अपने बेडरूम से लेकर किचन तक की कई तस्वीरें शेयर की थीं।

बॉडीशेमिंग पर शिल्पा शेट्टी ने किया बड़ा खुलासा, कहा-पार्टी में मुझे देख कर कहा...

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी खुद फिट रहने के साथ- साथ लोगों को भी फिट रहने की प्रेरणा देती है। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फिटनेस वीडियो शेयर करती रहती है।

फिटनेस की बात आती है तो सभी का ध्यान केवल शिल्पा शेट्टी पर जाता है। लेकिन एक समय ऐसा था जब शिल्पा शेट्टी को बॉडीशेमिंग का शिकार होना पड़ा था। ये बात तब की है जब उन्होंने अपने बेटे को जन्म दिया था। जिसके बाद बाहर निकलने पर कई बार शिल्पा को लोगों के ताने का सामना करना पड़ा था।

एक इंटरव्यू के दौरान शिल्पा शेट्टी ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान मेरा 32 किलो वजन बढ़ गया था। यहां तक कि अपने बेटे विवान के पैदा होने के बाद भी मैंने अपना वजन 3 किलो अधिक बढ़ा लिया था।

आगे शिल्पा ने बताया कि वियान के होने के बाद जब मैं पहली बार अपने पति राज के साथ एक डिनर पार्टी पर गई तो वहां का नजारा बदल गया। वहां कई सारी महिलाएं किटी में बैठी थीं। उन्होंने मुझे देखते ही एक दूसरे के साथ धीमी आवाज में बात करना शुरू कर दिया। मैंने तब सुना कि एक ने कहा कि हे भगवान,क्या ये शिल्पा शेट्टी है? अभी तक इसका वेट है? मेरे लिए ये काफी परेशानी वाला और निराशा जनक था। मैंने सोचा कि आखिर ये लोग कौन होते हैं, ऐसा किसी के बारे में भी कहने वाले। वैसे ये मेरे लिए एक वेक अप कॉल भी बना।

गौरतलब है कि शिल्पा शेट्टी की दूसरी बेटी समिषा का जन्म सरोगेसी से हुआ है। उनका पहला बेटा वियान हैं। बता दें कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की शादी साल 2009 में हुई। साल 2012 में शिल्पा ने बेटे वियान को जन्म दिया। 15 फरवरी साल 2020 में उनके घर पर एक प्यारी सी बेटी आई हैं। शिल्पा शेट्टी ने ये भी बताया कि उनकी बेटी समीशा के होने से पहले उन्होंने कई बार बच्चा लेने की कोशिश की। लेकिन एक नहीं बल्कि कई बार समस्या आई। इसके बाद उन्होंने सरोगेसी का सहारा लिया। शिल्पा ने कहा कि उन्हें ऑटो इम्युन डिजीज है। जिसे अपला के नाम से जानते हैं। उन्होंने बताया कि इस बीमारी के कारण वह खुद से मां बनने में असमर्थ हो गई। तब इसके बाद मैंने बच्चा गोद लेने पर विचार किया।

फिल्मों में आने से पहले कॉल सेंटर में करती थी काम !

जरीन खान

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान आज अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। लॉकडाउन के चलते एक्ट्रेस अपना जन्मदिन घर पर ही सेलिब्रेट कर रही हैं। जन्मदिन के इस खास मौके पर हम आपको इनकी पर्सनल लाइफ के बारें में बताएंगे। मुंबई के पठान फैमिली में पैदा हुई जरीन ने बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरूआत 2010 में वीर फि?ल्म से सलमान खान के साथ की थी। वीर के बाद जरीन खान कई बोल्ड फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हेट स्टोरी 3 के बाद से जरीन खान का बोल्ड लुक देखने को मिला है। जरीन खान बचपन से डॉक्टर बनने का सपना देखा था उन्होंने कभी नहीं सोचा था वो एक्ट्रेस बनेंगी। बॉलीवुड में आने से जरीन कॉल सेंटर में काम करने को मजबूर हो गई थी। जरीन ने डॉक्टर की पढ़ाई भी की लेकिन घर की आर्थिक तंगी के चलते उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और इसके बाद उन्हें मजबूरन एक कॉल सेंटर में जॉब करनी पड़ी थी। जरीन ने जॉब के दौरान ही मॉडलिंग में हाथ आजमाया। बॉलीवुड की फिल्मों से पहले एक्ट्रेस ने पंजाबी फि?ल्मों में काम किया। यहां उन्हें बतौर लीडिंग एक्ट्रेस सफलता पंजाबी फिल्म जट्ट जेम्स बांड से मिली थी। इसके बाद साल 2010 में उन्हें बॉलीवुड की फिल्म वीर को साइन किया। इस फिल्म में एक्ट्रेस सलमान खान के साथ नजर आई थी। जरीन खान के बारे में कहा जाता है कि वो युवराज के सेट पर सलमान खान को दिख गई थीं। सलमान को उनमें एक राजकुमारी की झलक दिखी। इसके बाद सलमान ने उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करने का फैसला कर लिया और यहीं से जरीन की किस्मत बदल गई। वीर के बाद जरीन बहुत पॉपुलर हो गईं थी। ये कह सकते है कि इसके बाद तो जरीन की किस्मत चमकना शुरू हो गई थी। वीर के बाद उन्हें फिल्म हाउसफुल 2 मे देखा गया। जरीन ने सलमान खान की फिल्म रेड्डी में सॉन्ग कैरेक्टर ढीला में स्पेशल गेस्ट की भूमिका निभाई थी। जरीन फिल्म हेट स्टोरी-3, वजह तुम हो जैसी बोल्ड फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। जरीन अपने कॉलेज के दिनों में वैसी बिल्कुल भी नहीं थीं जैसी वह आज नजर आती हैं। वह बेहिसाब जंकफूड खाया करती थीं और उनकी वजह 100 किलो से भी ज्यादा हो गया था।

अम्बाह दुकानें बंद होने के बावजूद भी 4 गुनी रेटों पर चोरी-छिपे बिक रहा है गुटखा और सिगरेट

जगह जगह पर थूकने से बढ़ता है संक्रमण का खतरा

केशब पडित जी अम्बाह

अम्बाह। देश में 21 दिन का लॉक डाउन लगने के कारण सभी लोग अपने अपने घरों में बंद है,बाजार भी पूरी तरह बंद है देखा जाये तो कोरोना के चलते एक तरफ देश में खाने पीने का सामान लोगो को सुचारू रूप से नही मिल पा रहा , वहीं दूसरी तरफ उत्पादक प्रदेशों ने पान मसाला व गुटखा बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया है जिसके बाद अंचल में पान मसाला और गुटखा के पाऊच तीन से चार गुना कीमत पर बेचे जा रहे है, इस समय 5 रुपये में बिकने वाला गुटखा 25 रुपये में, 10 वाला पाउच 50 में, व 20 रुपये वाला पाऊच 120 रुपये में बेचा जा रहा है, जिससे कालाबाजारी के साथ-साथ संक्रमण का खतरा भी बढ़ता जा रहा है ज्ञात रहे कि लॉकडाउन के चलते पान मसाले की दुकानें बंद है जिससे गुटखा खाने वाले लोग परेशान है और वह मुहमांगी कीमत पर गुटखा खरीद रहे हैं जिसका फायदा पहले से स्टॉक कर के बैठे दुकानदार उठा रहे हैं वर्तमान में शहर के कई किराना स्टोर संचालक अपने अपने घरों

से जर्दा और सादा पान मसाले की बिक्री कर रहे हैं सुबह 5 बजे ही इन विक्रेताओं के यहाँ शहरी और ग्रामीण अंचल के लोगो की भीड़ दरवाजे पर लग जाती है जैसे ही पुलिस की गाड़ी आती है तो यह लोग दुकान बंद कर देते है वर्तमान में सिगरेट के पैकेट पर 50 रुपए, व गुटका चार गुनी रेट पर इन दुकानदारों व्दारा बिक्री किया जा रहा है जिसकी तरफ संबंधित विभाग का ध्यान नहीं है वही दुकानदार इसका फायदा उठाकर मालामाल हो रहे हैं

...**संक्रमण का बढ़ता है खतरा**-उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोनावायरस 19 के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए अगले आदेश तक गुटका या पान मसाला बेचे जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है किंतु मध्यप्रदेश में इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं लगा है ज्ञात रहे कि अंचल में गुटखा का सेवन करने वालों की बड़ी संख्या है वही इस गुटखा को चबाने के बाद इसे खाना वाला व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर इसकी पीक थूक देता है जिससे संक्रमण का खतरा पनप रहा है,वही थूकने से सड़क या परिसर की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है साथ ही प्रदूषण भी फैल रहा है इसी तरह अक्सर लोग सिगरेट या बीड़ी एक दूसरे के साथ शेयर कर रहे हैं ऐसे में अगर शेयर करने वाला पहला व्यक्ति किसी रोग से संक्रमित है तो वह दूसरे व्यक्ति को भी अपनी चपेट में ले लेता है इन सब वजहों से वर्तमान में इन नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध जरूरी है ज्ञात रहे वर्तमान में शहर में दुकान भले ही बंद हो किंतु पान मसाला गुटखा और सिगरेट का कारोबार पहले से ज्यादा बढ़ गया है जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं.।

अम्बाह पीजी कॉलेज स्टाफ ने किये मुख्यमंत्री राहत कोष में इक्यावन हजार रुपये जमा

केशब पडित जी अम्बाह

अम्बाह। वैश्विक महामारी कोविड 19 इतना भयानक रूप ले चुकी है कि इसका असर भारत के अधिकतर गाँव-गली,मोहल्लों तक पहुँच गया है,मध्यप्रदेश में भी ऐसे अनेक जिले हैं जहाँ कोरोना कहर बरपा रहा है, इस स्थिति में सहयोग का भाव रखते हुए पीजी कॉलेज अम्बाह के 15 प्रोफेसर व स्टाफ ने मिलकर इक्यावन हजार की धन राशि मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री कोविड 19 राहत कोष में जमा कराई है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ शिवराज सिंह तोमर ने बताया कि महामारी के इस भयानक दौर में हमारा सहयोग भारत के भविष्य को तय करेगा,इस समय हर देशवासी का दायित्व है कि वह अपनी समर्थ अनुसार सरकार व पीड़ितों का सहयोग करे जिससे यह बुरा वक्त आपसी सहयोग से बीत जाये, तोमर ने भारत सहित समूचे विश्व के सुखी और निरोग होने की कामना भी की है, उन्होंने हर भारतवासी से अपने आसपास के गरीबो,मजदूरों,पीड़ितों की मदद की बात कही है।

एएसआई ने की नाबालिक से पिटाई,एसपी बोले होगी कार्यवाही

आलमपुर(अर्पित गुप्ता) भिण्ड जिले में आलमपुर पुलिस का दमदार कारनामा,जब किसी पर नहीं चला बस तो एक नाबालिग की ही कर दी डण्डों से जमकर पिटाई।अपनी माँ को खेत पर रोटी-पानी देने जा रहे 15 वर्षीय नाबालिग की देभई तिराहा नाके के पास आलमपुर थाने के नरेन्द्र चौहान और एक आरक्षक ने प्लास्टिक के पाइप और डण्डे से कर दी पिटाई।भिण्ड पुलिस अधीक्षक श्री नगेन्द्र सिंह ने खुद की नाबालिक दिनेश माहौर से बातचीत और उचित कार्यवाही का दिया भरोसा।

दिव्यांगजनों को बिना लाईन के खाद्यान्न मिलेगा

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए दिव्यांगजन उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न बिना लाईन लगाए प्राप्त कर सकेंगे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने इस संबंध में जारी आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोविड-19 महामारी संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य की दुकानों से खाद्य सामग्री प्राप्त करने में दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। इसके लिये दिव्यांग व्यक्तियों को दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर सामान्य लाईन से अलग मानकर प्राथमिकता देते हुए खाद्य सामग्री वितरण की व्यवस्था करें।

कोविड 19 से अग्रिम पंक्ति मे लड़ने वाले कर्मचारियों को सुरक्षा एवं संरक्षण दिया जाए: किसान सभा

सबलगढ़। अग्रिम पंक्ति वर्कर्स जो कोविड-19 से लड़ने में महत्वपूर्ण

भूमिका अदा कर रहे हैं। जिनमें डॉक्टर्स, नर्स, मेडिकल, पैरामेडिकल स्टाफ, वार्ड वाइज, सफाई कर्मचारी, ड्राइवर्स, पत्रकार, आंगनवाड़ी, आशा, ऊषा, दूध, बिजली, पानी की सप्लाई करने वाले, डंडा नहीं मारने वाले पुलिसकर्मी, नगर निगम, पालिका और नगर परिषद के कर्मचारियों को सुरक्षा व संरक्षण दिया जाए यह मांग देशव्यापी पैमाने पर सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू)द्वारा की गई है ।7 इसी कड़ी में सबलगढ़ में झंडे- पोस्टर लेकर कार्यकर्ताओं द्वारा मांग की गई । उनके द्वारा सभी अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ताओं को सुरक्षा उपकरण देने, रेड जोन बालों को पीपीई किट देने ,निरंतर सेवा देने वाले कर्मियों की कोरोना जांच कराने, सभी का 50 लाख का बीमा कराने,सेवा दे रहे ठेका व स्कीम वर्कर को 25000 प्रति माह इंसेंटिव देने सभी जरूरतमंदों को मुफ्त खाना व राशन देने जो ड्यूटी में संक्रमित हुए हैं उन्हें 5 लाख का मुआवजा देने सभी गैर आयकर दाताओं को 7500 रुपए प्रतिमाह दिए जाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने ,स्वास्थ्य पर जीडीपी का 5त्र खर्च करने5 की मांग की गई है। सबलगढ़ में सीटू नेता चंदन कुशवाह, बैजंती बाई, शिवचरण, अली बहादुर, संजू आमिर, सहित कई लोगों ने कार्यवाही मे भाग लिया। इसी अनुक्रम में म. प्र. किसान सभा के झंडे तले एकजुटता की कार्यवाहियाँ ग्राम, गावों म, खेतों एवं गलियों मे की गई, जिसका नेत्रत्व किया सभा के जिला महा सचिव मुरारी लाल धाकड़, आदिराम आर्य, जगदीश कुशवाह दोजीराम जौनवार ने कार्यवाही का नेत्रत्व किया। इसमें सोशल डिस्टेंसिंग व कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन किया गया। वामपंथी नेता इसराइल खां , डी.वाय.एफ.आई. के कोक सिंह कुशवाह,छात्र नेता अरविंद सगर आदि ने एकजुटता कार्यवाहियों में भाग लिया।

मुख्यमंत्री राहत कोष में अम्बाह पीजी कॉलेज स्टाफ ने किये 51 हजार रुपये जमा

अम्बाह।वैश्विक महामारी कोविड 19 इतना भयानक रूप ले चुकी है कि इसका असर भारत के अधिकतर गाँव-गली,मोहल्लों तक पहुँच गया है,मध्यप्रदेश में भी ऐसे अनेक जिले हैं जहाँ कोरोना कहर बरपा रहा है, इस स्थिति में सहयोग का भाव रखते हुए पीजी कॉलेज अम्बाह के 15 प्रोफेसर व स्टाफ ने मिलकर इक्यावन हजार की धन राशि मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री कोविड 19 राहत कोष में जमा कराई है।कॉलेज के प्राचार्य डॉ शिवराज सिंह तोमर ने बताया कि महामारी के इस भयानक दौर में हमारा सहयोग भारत के भविष्य को तय करेगा।

नया पॉजिटिव मिलने हड़कंप, तीन गांवों में लगाया कर्फ्यू व आधा सैंकड़ा से अधिक लोगों को किया क्वॉरेंटाइन

अम्बाह। सात महीने की गर्भवती महिला सविता पत्नी अनिल तोमर निवासी गांव लोलकी ग्राम पंचायत रुअर के ग्वालियर अस्पताल में कोरोना पोजिटिव पाए जाने के बाद प्रसूता का चेकअप करने वाले नर्सिंग स्टाफ व डॉक्टर को प्रशासन ने क्वॉरेंटाइन किया है ज्ञात रहे कि लोलकी गांव की निवासी महिला की रिपोर्ट बीती रात कोरोना पॉजिटिव आई थी यह महिला ग्वालियर में भर्ती रहकर इलाज ले रही है क्योंकि चार दिन पहले इस महिला को डिलीवरी के लिए अंबाह से मुरैना व मुरैना से ग्वालियर रेफर किया गया था प्राप्त जानकारी के अनुसार पोरसा के लोलकी गांव में रहने वाली महिला अपने पति के साथ अहमदाबाद से एक लोडिंग वाहन में बैठकर 11 मई को आई अम्बाह आईथी इस वाहन में लगभग 15 लोग सवार थे यह सभी लोग अंबाह थाने में सूचना देने के बाद अस्पताल में जांच कराकर अपने अपने गांव पहुंच गए उसी रात इस महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई तो घर के लोग इसे सिविल अस्पताल

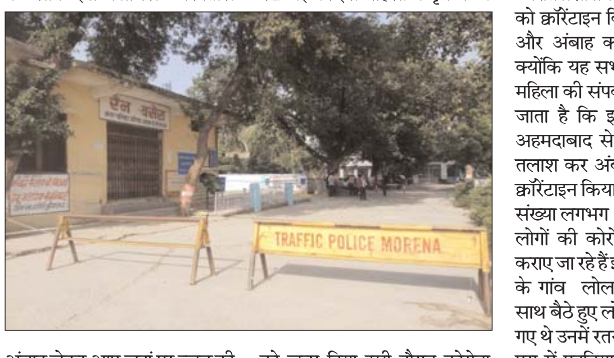

अंबाह लेकर आए जहां पर ब्लड की कमी के चलते 12 तारीख की सुबह महिला को मुरैना रेफर कर दिया गया, मुरैना में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने इस महिला का इलाज किया किंतु कोई फायदा न होने पर महिला को ग्वालियर रेफर कर दिया गया जहाँ 12 मई को इस महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया इसी दौरान कोरोना जैसे लक्षण पाए जाने पर ग्वालियर अस्पताल में इस महिला का कोरोना टेस्ट कराया गया जिसकी रिपोर्ट 14 मई की रात मिली जिसमें यह महिला पॉजिटिव पाई गई इसकी सूचना मुरैना प्रशासन को दी गई जिसके उपरांत प्रशासन ने 9 स्वास्थ्य कर्मियों को क्वॉरेंटाइन किया है जिसमें मुरैना और अंबाह का स्टाफ शामिल है क्योंकि यह सभी उपचार करने इस महिला की संपर्क में आए थे बताया जाता है कि इस महिला के साथ अहमदाबाद से लौटे लोगों की भी तलाश कर अंबाह के छात्रावास में क्वॉरेंटाइन किया गया है इन लोगों की संख्या लगभग 50 है जिनमें से 44 लोगों की कोरोना जांच के सैंपल कराए जा रहे हैं इसके साथ ही महिला के गांव लोलकी और महिला के साथ बैठे हुए लोग जिन जिन गांव में गए थे उनमें रतन वसई और बालू के पुरा में एहतियात के तौर पर कर्फ्यू लगाकर वहाँ पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

कोरोना से डरना नहीं डटकर मुकाबला करना है

ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय बताए

कैलारस,, स्वछ भारत मिशन के तहत जनपद पंचायत कैलारस की ग्राम पंचायत लाभकरण बूढ़ी लाभकरण में जनपद पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी गिर्राज शर्मा कमल सिंह यादव ,स्वछ भारत परियोजना अधिकारी मुरैना ब्लोक कौंडिनेटर दीपक पटेल द्वारा दिए गए निर्देशानुसार मास्क ,सैनिटाइजर, वितरण किये कैलारस जनपद पंचायत सभी स्वछ्ताग्रही को दिए गए सभी पंचायतो में बितरण करने केलिए एवं स्वछ्ताग्रही दीपक सिंघल एवम पूर्व सरपंच उम्मेद सिंह धाकड़ आजीविका समूह की श्रीमती रेखा धाकड़, द्वारा ग्राम पंचायत लाभकरण में घर घर जाकर गांव वालों को कोरोना से लड़ने के लिए सुझाव दिए गली गली जाकर गोल घेरे बना कर कम से कम 6 फिट की दुरी बनाकर रहे एवं स्वछ्ताग्रही द्वारा मास्क बाटकर सेनिटाइजर से हाथ धुलाई कराकर बताया जा रहा है एवं बताया गया कि हमे सामाजिक दुरी बनाकर एवं मास्क लगाकर रहना है एवं अपने हाथों को बार बार साबुन से धोना है या सेनिटाइजर करे हमे कोरोना से डरना नही है हमे हिम्मत से कोरोना से डट कर मुकाबला करना हे और इस कोरोना की जंग को हर हाल में जितना हैं और स्वछ्ताग्रही दीपक सिंघल ने बताया कि छीकते वक्त या खाँसते वक्त हमे रुमाल ,टीसूपेपर,या गमछे से मुँह को ढके रहना है और बताया गया कि अगर किसी को खासी जुखाम होता है तो नजदीकी डॉक्टर को दिखाए डरे नही मिलकर डट कर सभी को कोरोना की इस जंग को हर हाल में जितना हे ताकि हम भी सुरछित रहे और अपने और लगो को भी सुरछित रहने के सुझाव दिए दीपक सिंघल ने ग्राम में कोरोना जागरूकता के एक सेकंड पोस्टर भी चिपकाए।

मुख्यमंत्री राहत कोष में अम्बाह पीजी कॉलेज स्टाफ ने किये इक्यावन हजार रुपये जमा

अम्बाह- वैश्विक महामारी कोविड 19 इतना भयानक रूप ले चुकी है कि इसका असर भारत के अधिकतर गाँव-गली,मोहल्लों तक पहुँच गया है,मध्यप्रदेश में भी ऐसे अनेक जिले हैं जहाँ कोरोना कहर बरपा रहा है, इस स्थिति में सहयोग का भाव रखते हुए पीजी कॉलेज अम्बाह के 15 प्रोफेसर व स्टाफ ने मिलकर इक्यावन हजार की धन राशि मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री कोविड 19 राहत कोष में जमा कराई है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ शिवराज सिंह तोमर ने बताया कि महामारी के इस भयानक दौर में हमारा सहयोग भारत के भविष्य को तय करेगा,इस समय हर देशवासी का दायित्व है कि वह अपनी समर्थ अनुसार सरकार व पीड़ितों का सहयोग करे जिससे यह बुरा वक्त आपसी सहयोग से बीत जाये, तोमर ने भारत सहित समूचे विश्व के सुखी और निरोग होने की कामना भी की है, उन्होंने हर भारतवासी से अपने आसपास के गरीबो,मजदूरों,पीड़ितों की मदद की बात कही है

लोलकी गांव में कोरोनावायरस पॉजिटिव मिलने के बाद 3 गांवों में लगाया कर्फ्यू ,आधा सैकड़ा से अधिक लोगों को किया क्वॉरेंटाइन, 44 लोगों की जांच हेतु के लिए सैंपल ,,अम्बाह,,,सात महीने की गर्भवती महिला सविता पत्नी अनिल तोमर निवासी गांव लोलकी ग्राम पंचायत रुअर के ग्वालियर अस्पताल में कोरोना पोजिटिव पाए जाने के बाद प्रसूता का चेकअप करने वाले नर्सिंग स्टाफ व डॉक्टर को प्रशासन ने क्वॉरेंटाइन किया है ज्ञात रहे कि लोलकी गांव की निवासी महिला की रिपोर्ट बीती रात कोरोना पॉजिटिव आई थी यह महिला ग्वालियर में भर्ती रहकर इलाज ले रही है क्योंकि चार दिन पहले इस महिला को डिलीवरी के लिए अंबाह से मुरैना व मुरैना से ग्वालियर रेफर किया गया था प्राप्त जानकारी के अनुसार पोरसा के लोलकी गांव में रहने वाली महिला अपने पति के साथ अहमदाबाद से एक लोडिंग वाहन में बैठकर 11 मई को आई अम्बाह आईथी इस वाहन में लगभग 15 लोग सवार थे यह सभी लोग अंबाह थाने में सूचना देने के बाद अस्पताल में जांच कराकर अपने अपने गांव पहुंच गए उसी रात इस महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई तो घर के लोग इसे सिविल अस्पताल अंबाह लेकर आए जहां पर ब्लड की कमी के चलते 12 तारीख की सुबह महिला को मुरैना रेफर कर दिया गया, मुरैना में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने इस महिला का इलाज किया किंतु कोई फायदा न होने पर महिला को ग्वालियर रेफर कर दिया गया जहाँ 12 मई को इस महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया इसी दौरान कोरोना जैसे लक्षण पाए जाने पर ग्वालियर अस्पताल में इस महिला का कोरोना टेस्ट कराया गया जिसकी रिपोर्ट 14 मई की रात मिली जिसमें यह महिला पॉजिटिव पाई गई इसकी सूचना मुरैना प्रशासन को दी गई जिसके उपरांत प्रशासन ने 9 स्वास्थ्य कर्मियों को क्वॉरेंटाइन किया है जिसमें मुरैना और अंबाह का स्टाफ शामिल है क्योंकि यह सभी उपचार करने इस महिला की संपर्क में आए थे बताया जाता है कि इस महिला के साथ अहमदाबाद से लौटे लोगों की भी तलाश कर अंबाह के छात्रावास में क्वॉरेंटाइन किया गया है इन लोगों की संख्या लगभग 50 है जिनमें से 44 लोगों की कोरोना जांच के सैंपल कराए जा रहे हैं इसके साथ ही महिला के गांव लोलकी और महिला के साथ बैठे हुए लोग जिन जिन गांव में गए थे उनमें रतन वसई और बालू के पुरा में एहतियात के तौर पर कर्फ्यू लगाकर वहाँ पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सूरज बने अजाक्स छात्र संघ के अध्यक्ष, लोगों ने दी बधाई

मुरैना। मध्य प्रदेश अजाक्स छात्र संघ के संरक्षक सांसद डॉक्टर अमर सिंह एवं अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर देवेंद्र सूर्यवंशी के निर्देश पर संभागीय अध्यक्ष डॉ मनोज सोलंकी ने संगठन विस्तार के क्रम में जिला मुरैना छात्र संघ अध्यक्ष पद पर सूरज सखवार को नियुक्त किया है,सूरज ने अपनी नियुक्ति पर वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति आभार मानते हुए कहा है कि वह अनुसूचित जाति जनजाति छात्र संघ को संगठित और मजबूत बनाने का कार्य करेंगे उनका प्रयास होगा कि छात्र छात्राओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े इसके साथ ही स्कूल एवं कॉलेज स्तर के अध्ययन में उन्हें कोई परेशानी नहीं आए साथ ही शासकीय सुविधाओं का लाभ भी मिल सके, सूरज की नियुक्ति पर स्थानीय छात्र-छात्राओं ने उनको शुभकामनाएं दी हैं।

सरपंच सालगराम का कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूकता अभियान जोरों पर

जौरा। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत गुढ़ा के सरपंच सचिव ने ठाना है कोरोना को भगाना है का अभियान पूरी गाँव मे चला कर लोगों को जागरूक करने में जीतोड़ मेहनत कर रहे है। सरपंच सालगराम न सिर्फ ग्राम पंचायत को लोगों को निशुल्क मास्क वितरण कर रहे है जबकि कोई भी गरीब भूखा न सोए इसके लिए भी वह जरूरी खाने की समाग्री मुहैया करा रहे है। जिसकी जौरा जनपद पंचायत के मुख्यकार्यपालन आरके गौड़ ने सराहना की है।

मुख्यमंत्री राहत कोष में

अम्बाह पीजी कॉलेज स्टाफ ने किये इक्यावन हजार रुपये जमा

अम्बाह- वैश्विक महामारी कोविड 19 इतना भयानक रूप ले चुकी है कि इसका असर भारत के अधिकतर गाँव-गली,मोहल्लों तक पहुँच गया है,मध्यप्रदेश में भी ऐसे अनेक जिले हैं जहाँ कोरोना कहर बरपा रहा है, इस स्थिति में सहयोग का भाव रखते हुए पीजी कॉलेज अम्बाह के 15 प्रोफेसर व स्टाफ ने मिलकर इक्यावन हजार की धन राशि मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री कोविड 19 राहत कोष में जमा कराई है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ शिवराज सिंह तोमर ने बताया कि महामारी के इस भयानक दौर में हमारा सहयोग भारत के भविष्य को तय करेगा,इस समय हर देशवासी का दायित्व है कि वह अपनी समर्थ अनुसार सरकार व पीड़ितों का सहयोग करे जिससे यह बुरा वक्त आपसी सहयोग से बीत जाये, तोमर ने भारत सहित समूचे विश्व के सुखी और निरोग होने की कामना भी की है, उन्होंने हर भारतवासी से अपने आसपास के गरीबो,मजदूरों,पीड़ितों की मदद की बात कही है

लोलकी गांव में कोरोनावायरस पॉजिटिव मिलने के बाद 3 गांवों में लगाया कर्फ्यू ,आधा सैकड़ा से अधिक लोगों को किया क्वॉरेंटाइन, 44 लोगों की जांच हेतु के लिए सैंपल ,,अम्बाह,,,सात महीने की गर्भवती महिला सविता पत्नी अनिल तोमर निवासी गांव लोलकी ग्राम पंचायत रुअर के ग्वालियर अस्पताल में कोरोना पोजिटिव पाए जाने के बाद प्रसूता का चेकअप करने वाले नर्सिंग स्टाफ व डॉक्टर को प्रशासन ने क्वॉरेंटाइन किया है ज्ञात रहे कि लोलकी गांव की निवासी महिला की रिपोर्ट बीती रात कोरोना पॉजिटिव आई थी यह महिला ग्वालियर में भर्ती रहकर इलाज ले रही है क्योंकि चार दिन पहले इस महिला को डिलीवरी के लिए अंबाह से मुरैना व मुरैना से ग्वालियर रेफर किया गया था प्राप्त जानकारी के अनुसार पोरसा के लोलकी गांव में रहने वाली महिला अपने पति के साथ अहमदाबाद से एक लोडिंग वाहन में बैठकर 11 मई को आई अम्बाह आईथी इस वाहन में लगभग 15 लोग सवार थे यह सभी लोग अंबाह थाने में सूचना देने के बाद अस्पताल में जांच कराकर अपने अपने गांव पहुंच गए उसी रात इस महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई तो घर के लोग इसे सिविल अस्पताल अंबाह लेकर आए जहां पर ब्लड की कमी के चलते 12 तारीख की सुबह महिला को मुरैना रेफर कर दिया गया, मुरैना में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने इस महिला का इलाज किया किंतु कोई फायदा न होने पर महिला को ग्वालियर रेफर कर दिया गया जहाँ 12 मई को इस महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया।

मौसंबी बनी फायदे की फसल, खेती के लिए किसानों का बढ़ रहा रुझान

मुरैना। मौसंबी काफी महत्वपूर्ण फसल है, देश भर में मुख्य रूप से महाराष्ट्र में इसका बड़े पैमाने में उत्पादन होता है, इसके अलावा इस फसल का उत्पादन आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा में भी किया जाता है. सामान्य फसलों से किनारा कर यहां किसान इन फसलों से भारी भकरम मुनाफ कमाता है, अब इन्हीं किसानों की तर्ज पर मुरैना का किसान भी आगे बढ़ा है और वो रबी खरीब के अलावा अब मौसंबी की खेती की ओर रुख कर रहा है और फायदा भी कमा रहा हैं.

3 साल में मिली उपज-

चंबल अंचल में सामान्यतः खरीफ सीजन में बाजरे की फसल और रबी सीजन में सरसों की फसल का उत्पादन किया जाता है, लेकिन ये किसानों को आर्थिक बदहाली से नहीं उबार पाता. लेकिन समय के साथ बदली किसानों की सोच ने उनकी समृद्धि के रास्ते खोल दिए हैं. लगभग 5 साल पहले एक किसान ने मौसंबी की खेती की शुरुआत की और उसे 3 साल बाद उत्पादन मिलना शुरू हुआ, तो गांव के अन्य किसान भी उसे देखकर अचंभित होने लगे. सामान्यतः एक बीघा खेत मे परंपरागत खेती करने से किसान 10 से 12 हजार रुपये कमाता है पर मौसंबी ने उसे 10 गुना बढ़ा दिया. इसे देखते हुए यहां पिछले 5 साल में 500 से अधिक जमीन में मौसंबी के बागान लगाए हैं.

5 साल में उत्पादन बंपर-मौसंबी उत्पादक किसान विजय सिंह यादव ने बताया महाराष्ट्र के नागपुर के पास पांडुरना से मौसंबी की उन्नत किस्म के पौधे लाए जाते हैं और उन्हें इस जमीन में लगाया जाता है, जो 3 साल बाद फल देना शुरू कर देते हैं. जैसे-जैसे पौधा वृद्धि करने लगता है, मौसंबी का उत्पादन और अधिक होने लगता है. 3 साल में किसान को पहली जब मौसमी की पहली फसल मिलती है तब उसे एक बीघे में 50 हजार का लाभ होता है, वहीं जब यही पौधा 5 साल के हो जाते हैं तो उत्पादन 5 गुना बढ़ जाता है और एक बीघे से लगभग 1लाख 50 हाजर से 1लाख 75 हजार तक की फसल पैदा होती है.

परंपरागत खेती की तुलना में 10 लाभ- देश की 70 फीसदी जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है और ग्रामीण क्षेत्र की जनता के जीवन यापन का मुख्य संसाधन कृषि है. इसीलिए एक बड़े वर्ग की चिंता को लेकर सरकार हमेशा चिंतित रहती है और लगातार इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं.

लॉकडाउन-4 में क्रिकेट: बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने कहा सरकार ढील देगी तो 18 के बाद खिलाड़ी आउटडोर प्रैक्टिस शुरू करेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

- बीसीसीआई कोषाध्यक्ष बोले- अगर सरकार की तरफ से निर्देश होगा तो खिलाड़ी आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल करेंगे
- बोर्ड ने साफ कर दिया कि जब तक हालात सामान्य नहीं होते और यात्रा प्रतिबंध नहीं हटते तब तक कोई ट्रेनिंग कैम्प नहीं लगेगा

बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने कहा है कि अगर सरकार 18 मई से शुरू हो रहे चौथे फेज के लॉकडाउन में ढील देती है तो भारतीय क्रिकेटर्स आउटडोर प्रैक्टिस शुरू करेंगे। उन्होंने न्यूज एजेंसी से गुरुवार को यह बात कही। धूमल ने कहा कि बीसीसीआई विकल्प तलाश रही है कि कैसे टीम इंडिया के खिलाड़ी 18 मई के बाद आउटडोर प्रैक्टिस शुरू करें। उन्होंने बताया कि इन हालात में खिलाड़ी यात्रा नहीं कर सकते हैं। ऐसे में हम इस विकल्प के बारे में भी सोच रहे हैं कि क्या वे अपने घर के नजदीकी मैदान पर बल्लेबाजी या गेंदबाजी की प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं। इसके लिए बोर्ड सरकार के सम्पर्क में है। हालांकि, अगर खिलाड़ी लोकल मैदान पर प्रैक्टिस करते भी हैं तो उस सूरत में बल्लेबाज के लिए नेट सेशन में कम से कम तीन गेंदबाजों की जरूरत होगी। कोषाध्यक्ष ने बताया कि खिलाड़ियों के लिए बोर्ड ने पोस्ट लॉकडाउन फेज के लिए रोडमैप तैयार किया हुआ है। फिलहाल, खिलाड़ी ऐप के जरिए ट्रेनिंग कर रहे हैं। ट्रेनर निक वेब ने हर खिलाड़ी के लिए अलग से फिटनेस ड्रिल तैयार की है। टीम के सभी सीनियर खिलाड़ियों के पास यह ऐप है। इसमें खिलाड़ी को रोज कौन सी फिटनेस ड्रिल करनी है, उसकी पूरी जानकारी दर्ज है। प्लेयर इस पर कितना अमल करता है, उसका रिकॉर्ड भी इसमें दर्ज रहता है। बीसीसीआई ने साफ कर दिया कि जब तक हालात सामान्य नहीं होंगे, तब तक बोर्ड किसी तरह का कैम्प नहीं लगाएगी। कोषाध्यक्ष ने कहा कि खिलाड़ियों की सेहत और सुरक्षा सबसे अहम है। वहीं, खिलाड़ियों के कोरोना टेस्ट से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के पहले दिन से ही हमारे खिलाड़ी घ? में हैं और सोशल डिस्टेंसिंग के सभी नियमों का पालन कर रहे हैं। वे कैम्प में नहीं है।

विदेशी खिलाड़ियों के बिना आईपीएल नहीं खेलेगा सीएसके

कोरोना महमारी की वजह से माना जा रहा है कि अगर इस लीग को बिना विदेशी खिलाड़ियों के खेला जा सकता है तो वह विकल्प भी अपनाया जाएगा। ऐसे में आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही खेला जा सकता है। वहीं धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ये साफ कह दिया है कि वे विदेशी खिलाड़ियों के बिना इस लीग में नहीं खेलेंगे। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने कहा था कि सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही लीग का आयोजन किया जा सकता है। इस विचार को सीएसके ने खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि अगर कोरोना महमारी की वजह से ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप भी स्थगित हो जाता है तो भी बीसीसीआई इस साल सितंबर-अक्टूबर में आईपीएल को आयोजित कर सकता है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत ठाकुर के मुताबिक इस समय कोई और विकल्प नहीं है और उनकी फ्रेंचाइजी भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही आईपीएल खेलने को तैयार है।

सैम कुरेन को वापसी की उम्मीदें

इंग्लैंड के आलराउंडर सैम कुरेन को अब भी टेस्ट मैचों में वापसी की उम्मीदें हैं। कुरेन ने हालांकि एक साल से भी ज्यादा समय से कोई मैच नहीं खेला है। इसके बाद भी यह बल्लेबाज टेस्ट मैचों से काफी उम्मीदें लगाये हुए है और वापसी करने के लिये तैयारी कर रहा हैं। कुरेन ने कहा, अब भी मेरे अंदर निश्चित रूप से टेस्ट मैचों को लेकर काफी उम्मीदें हैं। साथ ही कहा, यह काफी कठिन है क्योंकि मैं पिछले कुछ वर्षों से सीमित ओवरों में ही ज्यादा क्रिकेट खेल रहा हूं। टॉम ने इंग्लैंड की ओर से दो टेस्ट खेले हैं। उन्होंने ये टेस्ट आस्ट्रेलिया में 2017-18 एशेज श्रृंखला के दौरान खेले थे।

स्पेन में कोरोना के बीच खेल गतिविधियां शुरू होने लगी है। स्पेन की फुटबाल टीम के खिलाड़ी प्रेक्टिस के दौरान मास्क पहने नजर आए।

विंसी प्रीमियर टी-10 लीग 22 मई से, क्रिकेट में लार और पसीने का इस्तेमाल नहीं करेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनावायरस खौफ के बीच 2 महीने बाद पहली बार क्रिकेट शुरू होने जा रहा है। पूर्वी कैरेबियन देश सेंट विंसेंट और द ग्रेनेडाइंस में 22 से 31 मई तक विंसी प्रीमियर टी-10 लीग (वीपीएल) खेली जाएगी। इस लीग में 6 टीमें शामिल होंगी, जिसमें कुल 72 खिलाड़ी खेलेंगे। यह पहला क्रिकेट टूर्नामेंट होगा, जिसमें गेंद को चमकाने के लिए लार या पसीने का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। कोरोना महामारी के कारण इंडियम प्रीमियर लीग (आईपीएल) और कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) को टाल दिया गया है। कोविड-19 के बीच पिछला मैच 15 मार्च को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स और क्वैटा ग्लाडिएटर के बीच खेला गया था। टूर्नामेंट में हर

रोज 3 और कुल 30 मैच खेले जाएंगे। यह सभी मैच सेंट विंसेंट के अर्नोस वेले स्पोर्टिंग कॉम्प्लेक्स में होंगे। इन मैचों को देखने के लिए दर्शक भी आ सकते हैं, क्योंकि अब तक दोनों देशों ने किसी प्रकार के कोई प्रतिबंध नहीं लगाए हैं। मुकाबले के दौरान मेडिकल टीम समेत सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

टीमों के लिए अलग-अलग ड्रेसिंग रूम बनाए गए

यह लीग सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस क्रिकेट एसोसिएशन (एसवीजीए) द्वारा कराई जा रही है। एसवीजीए के अध्यक्ष किशोर शालो क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा, सभी खिलाड़ियों को बॉल पर लार का इस्तेमाल करने से मना कर दिया है। सभी टीमों के लिए बड़े और अलग-अलग ड्रेसिंग रूम बनाए गए हैं। ताकि सभी खिलाड़ी भीड़ से बच सकें। सभी प्लेयर्स को प्रैक्टिस के लिए भी अलग-अलग जगह उपलब्ध कराई गई है। शालो ने कहा, ह्यह्यसरकार ने कोई प्रतिबंध नहीं लगाए हैं, इसलिए यह मैच बंद स्टेडियम में नहीं हो रहे। कोरोना के बीच यह मैच हो रहे हैं, ऐसे में ज्यादा दर्शक आने की उम्मीद बेहद कम है। फिर भी हमने स्टेडियम में दर्शकों को दूर-दूर बैठने की व्यवस्था की है।

टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाले युवराज ने कहा

12 गेंद पर 50 रन का रिकॉर्ड पंड्या व राहुल ही तोड़ सकते हैं, गेल-डिविलियर्स में भी क्षमता थी

- 2007 टी-20 विश्वकप में के इसी मैच में युवराज ने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ 6 गेंद पर 6 छक्के भी लगाए थे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम टी-20 में 12 गेंद पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा है कि यह रिकॉर्ड सिर्फ हार्दिक पंड्या और लोकेश राहुल में से ही कोई तोड़ सकता है। क्रिकेट वेबसाइट क्रिकइंफो पर चैटिंग के दौरान युवराज ने कहा कि यह रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स में भी थी। हालांकि, डिविलियर्स संन्यास ले चुके और गेल कभी भी ले सकते हैं।

युवराज ने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक जमाया था। इसी मैच में उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ 6 गेंद पर 6 छक्के भी लगाए थे। युवी ने मैच में तीन चौकों और सात छक्कों के साथ 16 गेंदों में 58 रन की शानदार पारी खेली थी। तब भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

हाल ही में इंग्लैंड के गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने राहुल से पूछा था कि युवी का रिकॉर्ड कौन तोड़ सकता है? इसके जवाब में राहुल ने अपना ही नाम लिया था, लेकिन अब युवी ने कहा, राहुल में वह क्षमता है कि मेरे रिकॉर्ड को तोड़ सकें। उन्होंने आईपीएल में 14 और 15 गेंद में अर्धशतक लगाया भी है, लेकिन बता दूं कि इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल दोनों ही अलग हैं। दोनों की परिस्थितियां भी बेहद अलग हैं।

पंड्या महान ऑलराउंडर बन सकता है

युवी ने कहा, मेरा मानना है कि पंड्या में भी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता है। उनका खेल बहुत शानदार और एक अलग ही प्रकार का है। वह बहुत मेहनती और अच्छा इंसान है। उसकी गेंद को हिट करने की काबिलियत बेहतरीन है। रिकॉर्ड तोड़ने के लिए आपको सिंगल-डबल नहीं लेने होंगे। आपको हर गेंद पर बाउंड्री चाहिए रहेगी। ऐसे में पंड्या के पास यह क्षमता है। उसमें एक वर्ल्ड क्लास क्रिकेटर बनने के गुण हैं। पंड्या भविष्य में भारत के लिए महान ऑलराउंडर बन सकता है।

टीम इंडिया में खिलाड़ियों से बात करने वाला नहीं

पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले युवराज ने एक दिन पहले ही भारतीय टीम के कोच रवि शास्त्री को भी आड़े हाथों लिया था। उन्होंने कहा कि टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के पास बात करने और सलाह लेने के लिए कोई नहीं है। यह पूछने पर कि क्या यह काम शास्त्री का नहीं है, तो उन्होंने कहा कि पता नहीं रवि यह कर रहा है या नहीं। हो सकता है उनके पास दूसरे भी काम हों। उन्होंने कहा कि आप हर खिलाड़ी को यह नहीं सकते है कि मैदान पर जाओ और खुलकर खेलो।

टीम इंडिया के पूर्व गेंदबाजी कोच प्रसाद ने कहा- धोनी एक साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले, उनकी वापसी बहुत मुश्किल

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद का मानना है कि टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की अब टीम इंडिया में वापसी मुश्किल है। क्योंकि उन्होंने बीते एक साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। प्रसाद ने अंग्रेजी वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में यह बात कही। प्रसाद ने धोनी की फिटनेस को लेकर कहा कि बेशक वे काफी फिट हैं। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ आपके रिफ्लेस कमजोर होने लगते हैं। धोनी 40 साल के होने वाले हैं। ऐसे में उनके लिए वापसी आसान नहीं होगी। मैं सारी बातें टीम मैनेजमेंट पर छोड़ना चाहूंगा कि अगर आगे भी वे अच्छी फिटनेस दिखाते हैं और टीम मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई रणनीति बनाता है तो शायद उनकी वापसी मुमकिन हो।

उन्होंने आगे कहा कि टीम मैनेजमेंट अगर दोबारा उन्हें मौका देता है तो उन्हें बैटिंग ऑर्डर में ऊपर भेजा जाना चाहिए। धोनी को मैच फिनिशर की तरह इस्तेमाल करने की बजाए मैं उन्हें तीन या चार नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजता। अगर मैच में 10 ओवर बाकी रहते तो मैं धोनी को मैदान पर यह कहकर भेजता कि आप नेचुरल गेम खेलें।

धोनी का अनुभव टीम के काम आ सकता है

टीम इंडिया के इस पूर्व गेंदबाजी कोच ने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि धोनी के पास लंबा अनुभव है और उनकी सलाह बहुत अहम होती है। धोनी ने पिछला वनडे 2019 के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। तब उन्होंने 72 बॉल पर 50 रन बनाए थे। लेकिन भारत को 18 रन से हारकर टूनार्मेंट से बाहर होना पड़ा था। धीमी बल्लेबाजी की वजह से धोनी पर भी सवाल उठे थे।

दूरसंचार कंपनियों ने 35,000 करोड़ का जीएसटी रिफंड जल्द जारी करने की मांग की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दूरसंचार कंपनियों ने 35,000 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) क्रेडिट जल्द जारी करने की मांग फिर से की है। इसके अलावा उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों पर विभिन्न ऑपरेटरों का 20,000 करोड़ रुपए का बकाया जल्द जारी करने की भी मांग की है। ऑपरेटरों ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सूक्ष्म, लघु एवं मझोलू उपक्रमों का बकाया नए प्रोत्साहन पैकेज के तहत 45 दिन में निपटाने का आश्वासन दिया है। सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के महानिदेशक राजन एस मैथ्यूज ने कहा कि वित्त मंत्री की घोषणा सरकार के आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन देने और आत्मनिर्भर भारत बनाने के उद्देश्य के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र का 35,000 करोड़ रुपए का इनपुट कर क्रेडिट का बिना इस्तेमाल के पड़ा है। हम लगातार इसके रिफंड की मांग कर रहे हैं। मैथ्यूज ने कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों पर हमारा बकाया 20,000 करोड़ रुपए का है। हमें उम्मीद है कि वित्त मंत्री अगली कुछ घोषणाओं में हमें भी इस मोर्चे पर राहत देंगी।

पंसद नहीं आया सरकार का आर्थिक पैकेज, सेंसेक्स 886 अंक टूटा, कोरोना कभी खत्म नहीं होने के बयान से भी मचा हड़कंप

मुंबई ■ एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट से गुरुवार को सेंसेक्स में 886 अंक की गिरावट आई। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में बिकवाली का सिलसिला चलने से भी यहां धारणा प्रभावित हुई। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज से भी खुश नहीं है।पैकेज से तत्काल सीमित राशि ही खर्च की जानी है। यह कुल पैकेज के आकार का काफी कम है।इस पैकेज से अर्थव्यवस्था में तत्काल पुनरोद्धार की गुंजाइश कम है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान

955 अंक तक नीचे चला गया था। हालांकि, बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और अंत में यह 885.72 अंक या 2.77 प्रतिशत के नुकसान से 31,122.89 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 240.80 अंक या 2.57 प्रतिशत के नुकसान से 9,142.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा में सबसे अधिक पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई।इंफोसिस, एचडीएफसी, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी के शेयरों में भी गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर हीरो मोटोकॉर्प, एलएंडटी, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट और सनफार्मा के शेयरों में लाभ हुआ। बाजार जानकारों ने कहा, अमेरिकी बाजारों में बुधवार को आई गिरावट के बाद गुरुवार को भारतीय बाजार नकारात्मक रुख के साथ खुले। फेडरल रिजर्व ने आगाह किया है कि कोरोना संकट से दीर्घावधि की वृद्धि को लेकर चिंता पैदा हो गई है।उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा राहत पैकेज के पहले सेट के उपायों से निवेशक बहुत उत्साहित नहीं हैं। वे इससे आगे की घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोपहर के कारोबार में बाजार की धारणा थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के संक्षिप्त आंकड़ों से प्रभावित हुई।

लॉकडाउन में ढील के बीच मारुति ने की 1650 कारों की डिलिवरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में लाकडाउन के बीच मिली ढील से ऑटो कंपनियों का कामकाज पटरी पर लौटने लगा है। धीरे-धीरे कंपनियां अपने प्लांट्स में प्रॉडक्शन शुरू कर रही हैं, साथ ही रिटेल आउटलेट भी खोल रही हैं। लॉकडाउन में ढील के बाद से मारुति ने 1600 कारों की डिलिवरी की है। जबकि ह्यंदै ने पिछले सप्ताह 608 गाड़ियां बेचीं। हीरो मोटो कॉर्प के 1500 से ज्यादा रिटेल आउटलेट खुल गए हैं। मारुति सुजुकी के 600 और हुंदै के 150 डीलर्स नेटवर्क खुल गए हैं। रिटेल कारोबार शुरू होने से अब तक कंपनी ने 10,000 से ज्यादा बाइक बेचीं हैं। कंपनी ने वित्तवर्ष 2021 में पहली बार होलसेल डिस्पैच शुरू किया है, साथ ही गुरुग्राम, देहरादून, हरिद्वार में कामकाज शुरू कर दिया है। हालांकि बीते सप्ताह जिन कारों की डिलिवरी की गई, वे लॉकडाउन से पहले बुक किए गए थे। मारुति सुजुकी के उत्पादन शुरू करने की घोषणा के बाद कंपनी को 550 कारों की नई बुकिंग मिली है। बजाज ऑटो ने चाकन, वलुज, पंतनगर प्लांट शुरू किया है। लॉकडाउन में बजाज ऑटो के 1000 करोड़ के एक्सपोर्ट ऑर्डर रुके पड़े हैं। रॉयल इनफील्ड ने प्रॉडक्शन शुरू कर दिया है। ऑडी ने भारत में ऑनलाइन बिक्री शुरू कर दी है। इससे ग्राहक कोविड-19 की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन के दौरान अपने घर से ही गाड़ी की बुकिंग कर सकते है। कंपनी ने बताया कि उसके अपने देशभर के डीलर नेटवर्क को इस ऑनलाइन मंच के साथ जोड़ दिया है। इसके द्वारा ग्राहक घर बैठे ना सिर्फ कार की बुकिंग कर सकते हैं बल्कि अपनी कार की सर्विस बुकिंग भी करा सकते हैं।

हिसाब-किताब | वित्त मंत्रालय ने टीडीएस और टीसीएस की नई दरों को घोषणा की

नौकरीपेशा और एनआरआई को नहीं मिलेगा 25 फीसदी टीडीएस छूट का लाभ, देनी होगी पैन-आधार की जानकारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार ने कोरोना से लड़ाई के बीच आम आदमी को राहत देने के लिए एक प्रोत्साहन पैकेज का ऐलान किया है। इस पैकेज के तहत टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (टीडीएस) और टैक्स कलेक्शन एट सोर्स (टीसीएस) में 25 फीसदी की छूट दी है। टैक्स अधिकारियों का कहना है कि इसका फायदा केवल स्वरोजगार, प्रोफेशनल्स और सीनियर सिटीजंस को मिलेगा। नौकरीपेशा और एनआरआई करदाताओं को इस टैक्स छूट का लाभ नहीं मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को 20 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की पहली किस्त की जानकारी देते हुए टीडीएस, टीसीएस में छूट का ऐलान किया था। वित्त मंत्री ने कहा था कि यह छूट टीडीएस, टीसीएस के सभी स्लैब्स पर लागू होगी और इससे करदाताओं के करीब 55 हजार करोड़ रुपए बचेंगे। यह टैक्स छूट आज यानी 14 मई से लागू हो गई है और 31 मार्च 2021 कर इसका लाभ मिलता रहेगा। गुरुवार को वित्त मंत्रालय ने टीडीएस, टीसीएस का नया स्लैब भी जारी कर दिया। साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया कि जिन करदाताओं ने टैक्स रिटर्न फाइल करते समय पैन या आधार नंबर की जानकारी नहीं दी है उन्हें टीडीएस में छूट का लाभ नहीं मिलेगा।

- सिक्युरिटीज पर ब्याज और डिविडेंड से होने वाली आय पर 10 फीसदी की बजाए अब 7.5 फीसदी की दर से टीडीएस लगेगा। व्यक्तिगत मामलों में अधिकतम 5000 रुपए का टैक्स लगेगा।
- सिक्युरिटीज पर ब्याज से अतिरिक्त मिलने वाली ब्याज पर 10 के बजाए 7.5 फीसदी टीडीएस लगेगा। इस कैटेगिरी में व्यक्तिगत मामलों में अधिकतम 5 से 50 हजार तक का टैक्स लगेगा।
- व्यक्तिगत या एचयूएफ की ओर से ठेकेदार को भुगतान पर 1 की जगह 0.75 फीसदी टीडीएस की कटौती। अन्य की ओर से भुगतान पर 2 की जगह 1.50 फीसदी टीडीएस कटौती।
- किराया पर मौजूदा 10 फीसदी की जगह 7.50 फीसदी टीडीएस और व्यावसायिक गतिविधि के लिए अतिरिक्त 2 फीसदी के बजाए 1.5 फीसदी टीडीएस देना होगा।
- व्यक्तिगत या एचयूएफ की ओर से किराए के भुगतान पर मौजूदा 5 की बजाए 3.75 फीसदी का टीडीएस लगेगा।
- यदि किसी ने पिछले तीन एसेसमेंट वर्ष में रिटर्न दाखिल नहीं किया है और वह 20 लाख से ज्यादा और 1 करोड़ से कम की कैश निकासी करता है तो उस पर 2 फीसदी के बजाए 1.50 फीसदी टीडीएस लगेगा।

कोरोना की वजह से 2020 की पहली तिमाही में वैश्विक व्यापार तीन फीसदी गिरा: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र ■ एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के व्यापार निकाय ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के चलते 2020 की पहली तिमाही में वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत की कमी आई है और आने वाली तिमाहियों में इसमें और गिरावट की आशंका है। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड) ने एक रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक व्यापार में गिरावट के साथ जिंस कीमतों में कमी आई है।

जिंसों की कीमतें बीते साल दिसंबर से तेजी से गिरी हैं। यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकी समुदाय और राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों की मदद से तैयार की गई है। अंकटाड के महासचिव मुखिसा कित्युई ने कहा कि हर जगह सरकारों पर कोविड-19 के बाद सुधार के निर्णय लेने का

दबाव हैं, जिसके दीर्घकालिक परिणाण होंगे। इस रिपोर्ट को 36 अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने संयुक्त रूप से तैयार किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी के चलते इस साल की पहली तिमाही- जनवरी-मार्च में वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत की कमी हुई। सांख्यिकी गतिविधि समन्वय समिति (सीसीएसए) द्वारा संकलित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में मंदी गहराने की आशंका है, जब वैश्विक व्यापार में रिकॉर्ड 27 प्रतिशत की गिरावट हो सकती है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को अनुमान जताया था कि कोविड-19 महामारी के चलते इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था में 3.2 प्रतिशत की कमी आएगी। यह 1930 की महामंदी के बाद सबसे अधिक गिरावट होगी। संयुक्त राष्ट्र की अर्ध वार्षिकी रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोना वायरस के असर से अगले दो वर्षों के दौरान वैश्विक उत्पादन में करीब 8500 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की आशंका है, जिसके पिछले चार वर्षों की पूरी बढ़त समाप्त हो जाएगी।

ग्वालियर एवं चंबल संभाग में आज लगभग 7 हजार प्रवासी श्रमिकों को पहुँचाया उनके घर

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण के दौरान लॉकडाउन के तहत देश के विभिन्न प्रांतों में फँसे मजदूरों को लाने हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बेहतर व्यवस्थायें की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रवासी श्रमिकों को जिले के बॉर्डर तक एवं प्रदेश के श्रमिकों को उनके गृह जिले तक भेजने की माकूल व्यवस्था की गई है।

ग्वालियर एवं चंबल संभाग के कुल 8 जिलों में आज लगभग 7 हजार प्रवासी मजदूर पहुँचे हैं। जिनका संबंधित जिला प्रशासन द्वारा थर्मल स्क्रीनिंग कर विश्राम, भोजन, पेयजल आदि की व्यवस्था की गई। परीक्षण उपरांत बसों को सेनेटाइज कर उनके गृह जिले के लिये रवाना किया गया। प्रवासी श्रमिकों के आने का क्रम लगातार जारी है। ग्वालियर संभाग के ग्वालियर जिले में देश के विभिन्न हिस्सों से आज आए 3 हजार 250 प्रवासी श्रमिकों को रेलवे स्टेशन एवं मालवा कॉलेज से थर्मल स्क्रीनिंग कर उनकी भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था कर बसों से संबंधित जिलों के लिये रवाना किया गया और अन्य राज्यों के श्रमिकों को उन राज्यों की सीमाओं तक पहुँचाया गया है। शिवपुरी जिले में पहुँचे 137 प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह जिले के लिये बसों से रवाना किया गया। लॉकडाउन के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में फँसे 70 प्रवासी श्रमिक आज अशोकनगर पहुँचे, जिनका थर्मल स्क्रीनिंग कर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भेजने की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार संभाग के दतिया जिले में प्रतिदिन लगभग 400 प्रवासी मजदूर आ रहे हैं। इनको लाने के लिये राज्य सरकार ने 15 बसों की व्यवस्था की है। गुना जिले में गुरूवार को 118 प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह जिले भेजा गया। चंबल संभाग के मुरैना जिले में अन्य प्रदेशों एवं जिले से आए आज 2 हजार 350 प्रवासी श्रमिकों को 35 बसों से अन्य जिलों के लिये रवाना किया गया। भिंड जिले में लगभग 592 प्रवासी मजदूरों को घर पहुँचाने की व्यवस्था की गई। जबकि श्योपुर जिले में राजस्थान, हरियाणा एवं प्रदेश के अन्य जिलों के 80 प्रवासी मजदूर श्योपुर पहुँचे। जिन्हें उनके गंतव्य स्थल तक पहुँचाया गया।

एमपी मायगव की अनूठी पहल कोरोना लॉकडाउन में विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिताएँ

ग्वालियर। एमपी मायगव के पोर्टल के जरिये स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई हैं। विद्यार्थी इनमें 19 मई तक ऑनलाइन भाग ले सकते हैं। एमपी मायगव पर 6वीं से 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिये घरेलू स्वच्छता पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई है। विद्यार्थी अपनी पेंटिंग को नाम, कक्षा और ई-मेल के साथ एमपी मायगव के पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। पोर्टल पर कक्षा 9वीं से 11वीं के विद्यार्थियों के लिये घर की सजावट के लिए कला एवं कौशल प्रतियोगिता रखी गई है। विद्यार्थी अपनी रचनात्मक कला की एक फोटो के साथ नाम, कक्षा और ई-मेल अंकित कर अपनी प्रविष्टियाँ पर भेज सकते है। एमपी मायगव पोर्टल पर कॉलेज विद्यार्थियों के लिये अपने पसंदीदा नायकों से प्रेरणा लेने के लिये प्रतियोगिता आयोजित की गई है। महापुरुषों के जीवन की कहानी, किसी नेता, रोल मॉडल, नायक से जो भी प्रेरणादायक और सकारात्मक सीखा हो, विद्यार्थी इसे अपने नाम, कक्षा और ई-मेल के साथ 100 शब्दों में लिखकर पोर्टल पर साझा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये पोर्टल पर सम्पर्क किय जा सकता है।

जन उत्थान न्यास ने पुत्री के विवाह के लिए दी आर्थिक सहायता

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से गरीब परिवार को कन्या विवाह के लिए आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष एवं वरिश्ठ भाजपा नेता डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी में भेंट की। न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में श्रीमती मीरा कुषवाह पत्नि स्व. श्री भगवान सिंह कुषवाह निवासी पुरूवियों का मौहल्ला नाकाचन्द्रवदनी को 5,100 रूपये की आर्थिक सहायता पुत्री पूजा कुषवाह के विवाह के लिए प्रदान की। श्रीमती मीरा के पति भगवान सिंह का निधन हो चुका है, मीरा दाल बाजार में मजदूरी का कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोशण करती है। श्रीमती मीरा कुषवाह के परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नही है कि वह अपनी पुत्री का विवाह कर सके। जिसके लिए मीरा ने न्यास कार्यालय पहुॅचकर डॉ. सिकरवार से मदद के लिए गुहार लगाई। डॉ. सिकरवार ने तुरन्त ही 5,100 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस मौके पर डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने कहा कि कन्यादान ही महादान हैं, उन्होने कहा कि न्यास का हर संभव प्रयास रहता है कि गरीब, पीडित, षोशित वर्ग की भलाई के लिए अग्रणी भूमिका निभाई जाये और उसमें न्यास सफल भी रहा है। जब भी इन वर्गो को चाहे पारिवारिक विवाह का कार्यक्रम हो, चाहे बीमार पीडित हो सभी वर्गों का सहयोग किया जा रहा है। हमारी संस्था गरीबों की भलाई करने में कभी पीछे नहीं रहती है। डॉ. सिकरवार ने मीरा को सहायता राषि भेंट करते हुये भरोसा दिलाया कि आपका भाई आपकी सेवा के लिए जीवन भर सर्म्पित रहेगा। श्रीमती मीरा ने डॉ. सिकरवार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये उनका स्वागत किया।

कृषि का रकबा बढ़ाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उत्पादन हमारी प्राथमिकता हो

ग्वालियर । खेती किसानी को लाभ का धंधा बनाने के लिये कृषि का रकबा बढ़ाना आवश्यक है। कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी और पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न का उत्पादन हमारी पहली प्राथमिकता है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के के सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 15 मई शुक्रवार को ग्वालियर-चंबल संभाग में रबी कार्यक्रम की समीक्षा एवं खरीफ वर्ष 2020 के कार्यक्रम के निर्धारण की समीक्षा के दौरान यह बात कही। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और सहकारिता विभाग के कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और वर्ष 2020 के खरीफ कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कृषि का उत्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के के सिंह के साथ-साथ सहकारिता, मत्स्य पालन, पशुपालन, बीज निगम के प्रदेश स्तरीय अधिकारियों ने भी अपने-अपने विभाग के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में ग्वालियर के कलेक्टर कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में ग्वालियर - चंबल संभाग के आयुक्त श्री एम बी ओझा, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय डॉ. राव, कलेक्टर ग्वालियर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, ग्वालियर संभाग के अपर आयुक्त श्री भारती सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। खरीफ कार्यक्रम 2020 में ग्वालियर-चंबल संभाग में 14 लाख 59 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में फसल लेने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के तहत धान 2 लाख 20 हजार हैक्टेयर, ज्वार 14 हजार हैक्टेयर, मक्का 32 हजार हैक्टेयर, बाजरा 26 हजार हैक्टेयर, अरहर 3 हजार हैक्टेयर, उड़द 3 लाख 19 हजार हैक्टेयर, मूँग 11 हजार हैक्टेयर, मूंगफली 1 लाख 2 हजार हैक्टेयर, तिल 67 हजार हैक्टेयर तथा सोयाबीन 6 लाख 65 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में क्षेत्रादान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के के सिंह ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में किसान फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी को भी अपनाएं। इसके लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। खाद-बीज किसानों को गुणवत्ता का प्राप्त हो, यह भी आवश्यक है। नकली खाद-बीज विक्रेताओं के विरूद्ध सभी जिला कलेक्टर सख्ती के साथ कार्रवाई करें। अमानक पाए जाने पर संबंधित खाद विक्रेता के विरूद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई जाए। ग्वालियर में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित है। विश्वविद्यालय के माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती के संबंध में आवश्यक सलाह से भी अवगत कराया जाए। आवश्यक हो तो किसानो को कृषि विश्वविद्यालय में लाकर भी वैज्ञानिक तरीके से किस प्रकार खेती की जाती है, उसके बारे में समझाया जाए। बैठक में सभी जिला कलेक्टरों से कहा गया कि किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे जा रहे खाद्यान्न की व्यवस्थाओं का कलेक्टर स्वयं अवलोकन करें और किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, यह सुनिश्चित करें। समर्थन मूल्य पर खरीदे जा रहे खाद्यान्न का समय पर भण्डारण भी हो, यह भी ध्यान रखा जाए। पशुपालन एवं उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी के लिये भी किसानो को क्रेडिट कार्ड देने की योजना है। योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों को पशुपालन और उद्यानिकी के लिये प्रोत्साहित करने के साथ-साथ क्रेडिट कार्डों का वितरण भी सुनिश्चित किया जाए। मिट्टी परीक्षण के लिये अधिक से अधिक किसानों को प्रोत्साहित कर उनके खातों की मिट्टी का परीक्षण कराया जाए। मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि शासकीय तालाबों के साथ-साथ निजी तालाबों के माध्यम से भी मत्स्य पालन को प्रोत्साहित किया जाए।

दुग्ध संघ की गतिविधियों को बढ़ाया जाए ग्वालियर दुग्ध संघ के कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा गया कि ग्वालियर दुग्ध संघ की गतिविधियों को बढ़ाएं, ताकि दुग्ध संघ सक्षम बन सकें। इसके लिये अधिक से अधिक दूध समितियों का गठन किया जाए। नए मिल्क रूट भी निर्धारित कर अधिक दुग्ध संग्रहण कर इसका विक्रय सुनिश्चित किया जाए। सभी जिला कलेक्टर भी अपने-अपने जिलों में दुग्ध संघ की गतिविधियों को बढ़ाने के लिये विशेष प्रयास करें। संभाग आयुक्त ग्वालियर - चंबल संभाग श्री एम बी ओझा ने बैठक में आश्वस्त किया कि खरीफ कार्यक्रम के तहत ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में लक्ष्य के अनुरूप उत्पादन सुनिश्चित किया जायेगा। इसके साथ ही किसानो को खाद-बीज की उपलब्धता भी समय पर हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा। नकली खाद-बीज विक्रेताओं के विरूद्ध भी ग्वालियर-चंबल संभाग में अभियान चलाकर जांच एवं कार्रवाई की जायेगी।

सहकारिता की समीक्षा में वसूली पर दिया जोर-कृषि उत्पादन आयुक्त ने सहकारिता की समीक्षा के दौरान कहा कि सहकारी बैंकों में वसूली की स्थिति बहुत ही निराशाजनक है। ग्वालियर एवं दतिया में वसूली को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। धोखाधड़ी और गबन के मामलों में सख्त से सख्त कार्रवाई कर राशि वसूली जाए। सहकारिता के माध्यम से जिन किसानों पर ऋण है उनसे फसल के विक्रय के समय ही वसूली हो, इसके लिये भी जिला कलेक्टर विशेष प्रयास करें। सभी जिलों में बड़े किसानों की सूची तैयार की जाए। सूची के आधार पर जिन किसानों पर सहकारिता का ऋण बकाया है उनसे वसूल करने की कार्रवाई की जाए। जिलों में जहां भी आवश्यकता है वहां कुर्की की कार्रवाई भी कलेक्टर प्राथमिकता से करें।

बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों ने अपने-अपने जिले में कृषि के साथ-साथ पशुपालन एवं सहकारिता की गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

सत्येन्द्र शर्मा द्वारा 51 दिनों से लगातार भोजन वितरण जारी

ग्वालियर। पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मार्गदर्शन में चल रही संस्था समस्या आपकी संघर्ष हमारा कार्यक्रम के संयोजक सत्येन्द्र शर्मा के द्वारा 25 मार्च से लगातार जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण का कार्य करते हुए 51 वे दिन जिला महामंत्री गौरव शर्मा एवं वार्ड क्रमांक 3 के अध्यक्ष आकाश कुशवाह के संयोजन में कोटेश्वर मंदिर के पास ज़रूरतमन्द लोगो में भोजन वितरण किया गया। सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि मानवसेवा करते हुए अर्धशतक पूर्ण करने के उपलक्ष्य में आज कोटेश्वर

महादेव को बाहर से ही प्रणाम कर आशीर्वाद लिया और प्रार्थना की कोरोना वायरस से जल्द मुक्ति मिले और भोलेनाथ मानवसेवा करते रहने के लिए आशीर्वाद दे। समस्या आपकी संघर्ष हमारा के संयोजक सत्येंद्र शर्मा ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के दिशा निर्देशन में ग्वालियर में विभिन्न जगहों पर जरूरतमंद लोगों को लगातार भोजन वितरण का कार्य आज 51 वे दिन भी जारी रहा।

कोरोना संक्रमण के दौरान 50 हजार प्रवासी श्रमिकों को भेजा उनके घर

ग्वालियर। कोरोना महामारी के दौरान लागू लॉकडाउन के तहत विभिन्न राज्यों में फँसे श्रमिकों को अपने घरों तक पहुँचाने का काम जारी है। जिला प्रशासन द्वारा ग्वालियर में विभिन्न राज्यों से मध्यप्रदेश के जिलों के एवं अन्य राज्यों के आए प्रवासी लगभग 50 हजार मजदूरों को संबंधित जिलों तक पहुँचाने के साथ उनके ठहरने, भोजन, पेयजल आदि के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

मनरेगा में लगभग 9 लाख परिवारों के खाते में पहुँची 199 करोड़ की मजदूरी

भोपाल। कोविड-19 के दौर में वापस घर आ रहे श्रमिकों और ग्रामीण अंचल में निवासरत श्रमिकों के लिए महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी स्कीम उम्मीद की बड़ी किरण बन गई है। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि मानव दिवस सृजन करने के मान से अभी तक 8.91 लाख परिवारों को 199 करोड़ रूपये की मजदूरी का भुगतान किया जा चुका है। मजदूरी भुगतान का काम ऑनलाइन लगातार जारी है।

अपर मुख्य सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि कोरोना संक्रमण काल में ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा, रोजगार मुहैया कराने का सशक्त माध्यम बन गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 22809 ग्राम पंचायतों में से 22477 ग्राम पंचायतों में स्थानीय समुदाय की माँग के अनुसार रोजगार-मूलक कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। इन पंचायतों में जल-संरक्षण संरचनाओं का निर्माण, कच्चे सड़क मार्गों का निर्माण, मेढ़ बंधान, तालाब निर्माण, पहाड़ो पर ट्रेंच निर्माण जैसे एक लाख 50 हजार 433 कार्य प्रगतिरत है। इन कार्यों में 18 लाख 81 हजार श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि मनरेगा के तहत कराये जा रहे निर्माण कार्यों में कोरोना प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गये हैं। कार्य स्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ, मास्क का पहनना अनिवार्य तथा तम्बाकू और धूम्रपान का उपयोग पूर्णतया प्रतिबंधित किया गया है। मजदूरी भुगतान प्रक्रिया के संबंध में श्री श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि साप्ताहित मस्टर रोल के आधार पर एन.आई.सी. के माध्यम से सीधे हितग्राही के बैंक खाते में मजदूरी की राशि जमा की जा रही है। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहती है।

वैश्य एवं मुकर्जी पेट्रोल पंप पर चार पहिया वाहन सेनेटाईजिंग सुविधा शुरु हुई

ग्वालियर। कोविड़-19 के फैलने से हमने संभवतः अपने हाथ धोने की उचित तकनीक सीख ली है और यह भी सीख लिया कि करोना से अपने आप को कैसे बचाये । लेकिन 4 पहिया वाहन जो घर से सेकड़ो किलोमीटर की दूरी तय करता है और हर व्यक्ति की जिंदगी का अहम् हिस्सा बन चुकी है ऐसे 4 पहिया वाहन का पूरी तरह सेनेटाईजिंग होना बेहद आवश्यक है इसी सोच के साथ करोना जैसी महामारी के संकट से बचने के लिए वैश्य एंड मुकर्जी पेट्रोल पंप कलेक्टर ऑफिस के पीछे 4 पहिया वाहन सेनेटाईजिंग सुविधा का शुभारम्भ कर दिया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478